सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 16 अंक - 217 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 21 मई 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

भिलाई-डोंगरगढ़ सहित छत्तीसगढ़ में पांच स्टेशनों का रिनोवेशन पूरा, पीएम मोदी कल करेंगे लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। देश के स्टेशनों को नए रंग रूप व सर्वसुविधायुक्त बनाने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा शुरू की गई अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत छत्तीसगढ़ के पांच रेलवे स्टेशनों को रेनोवेशन पूरा हो गया है। 22 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इनमें छत्तीसगढ़ के भिलाई, डोंगरगढ़, भानुप्रतापपुर, उरकुरा व अंबिकापुर रेलवे स्टेशनों का नाम भी हैं जिनका लोकार्पण होगा।

अमृत भारत स्टेशन योजना भारतीय रेलवे द्वारा शुरू की गई एक राष्ट्रव्यापी पहल है, जिसका उद्देश्य स्टेशनों को पुनर्विकसित कर उन्हें यात्री सुविधाओं, संरचना, प्रौद्योगिकी और सौंदर्यीकरण के क्षेत्र में आधुनिक और भविष्योन्मुख बनाना है। इस योजना के अंतर्गत कई बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रेलवे बोर्ड द्वारा आधुनिक प्रतीक्षालय, स्वच्छ शौचालय, लिफ्ट, एस्केलेटर जैसी अत्याधुनिक यात्री सुविधाएं दने का लक्ष्य है। इस योजना के माध्यम से रेलवे स्टेशन न केवल यात्री सुविधाओं के केंद्र होंगे, बल्कि वे सांस्कृतिक, सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में भी विकसित होंगे।

देश के हर नागरिक को मिलेगी सुविधा

इन स्टेशनों का पुनर्विकास राज्य के दूरस्थ एवं औद्योगिक क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने, पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय लोगों के जीवनस्तर को सुधारने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम सिद्ध होगा। भारतीय रेलवे 'नये भारत' की परिकल्पना को साकार करते हुए अपने स्टेशन पुनर्विकास कार्यक्रमों के माध्यम से देश के हर नागरिक को सुविधा और प्रगति से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है ।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बनाए गए छत्तीसगढ़ के 5 स्टेशनों का लोकार्पण समारोह

छत्तीसगढ़ राज्य के कुल 32 रेलवे स्टेशनों का चयन इस योजना के तहत किया गया है, जिनपर कुल अनुमानित लागत 1680 करोड़ रुपए है। इन स्टेशनों पर अधोसंरचना विकास, अत्याधुनिक सुविधाओं का निर्माण तथा स्थानीय कला और विरासत को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इनमें भाटापारा, भिलाई पावर हाउस, तिल्दा नेवरा, बिल्हा, भिलाई, बालोद, दल्ली राजहरा, भानुप्रतापपुर, हथबंद, सरोना, मरोदा, मंदिर हसौद, उरकुरा, निपानिया, भिलाई नगर, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, रायगढ़, बाराद्वार, चाम्पा, नैला-जांजगीर, अकलतरा, कोरबा, उसलापुर, पेंड्रारोड, बैकुंठपुर रोड, अंबिकापुर, बिलासपुर, महासमुंद और जगदलपुर स्टेशन शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में 32 स्टेशन 1680 करोड़ का बजट

इन सुविधाओं का रखा गया है ध्यान

- डिजिटल सूचना प्रणाली और डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड्स।
- ग्रीन बिल्डिंग अवधारणा, वर्षा जल संचयन, ऊर्जा दक्षता।
- स्टेशन परिसरों का सौंदर्यीकरण, भितिचित्र, हरित क्षेत्र और स्थानीय संस्कृति झालक।
- दिव्यांगजन के लिए सुगम पहुंच, टैक्टाइल पाथ, रैम्प आदि का निर्माण।
- व्यवस्थित यातायात और पार्किंग व्यवस्था।

तेजी से पूरा हो रहा भिलाई पावर हाउस का काम

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन का काम भी तेजी से जारी है। भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन का 70 फीसदी से ज्यादा काम पूरा हो गया है। नया पीओबी बन रहा है जो कि एक टू लेन सड़क के बराबर चौड़ा है। यहां दो छोर पर एस्कलेटर भी लगाए गए हैं। इसके साथ प्लेटफार्म पर शेड से लेकर पानी की भरपूर व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए नई पानी की टंकी भी बनकर तैयार है। भिलाई पावर हाउस का काम पूरा होने के बाद इसकी भव्यता भी देखते ही बनती है।

डोंगरगढ़

अम्बिकापुर

उरकुरा

भानुप्रतापपुर

अबूझमाड़ में सुरक्षाबलों की बड़ी सफलता : मारे गए 27 नक्सली, 1.5 करोड़ का इनामी बसव राजू भी ढेर

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। यहां बुधवार को जारी मुठभेड़ में अब तक 27 नक्सलियों को ढेर कर दिया गया है। खास बात यह है कि इस मुठभेड़ में डेढ़ करोड़ का इनामी नक्सली बसव राजू भी मारा गया है। बसव राजू नक्सलियों का सबसे बड़ा लीडर माना जाता है। छत्तीसगढ़ के साथ ही ओड़िशा, तेलंगाना, झारखंड व महाराष्ट्र बॉर्डर पर बसवा राजू का कंट्रोल था।

बता दें पुलिस को सूचना मिली थी कि दंतेवाड़ा, नारायणपुर और बीजापुर जिले की सरहद पर अबूझमाड़ के बोटेर में नक्सलियों का पोलित ब्यूरो सदस्य और नक्सल संगठन का महासचिव बसव राजू सहित नक्सलियों के बड़े लीडर मौजूद है। इसके बाद फोर्स को रवाना किया गया। जैसे ही जवान अबूझमाड़ के बोटेर पहुंचे नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद जवानों ने भी मोर्चा संभाल लिया। खबर लिखे जाने तक जवानों ने 27 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। मौके से भारी मात्रा में हथियार बरामद किए जाने की भी खबर है।

कर्रेगुट्टा में मारे गए थे 31 नक्सली

बता दें पुलिस ने 7 दिन पहले ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कर्रेगुट्टा ऑपरेशन की जानकारी दी थी। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर स्थित कर्रेगुट्टा के पहाड़ों पर सुरक्षाबलों ने 24 दिनों तक चले ऑपरेशन में 31 नक्सलियों को मार गिराया था। इनमें 16 महिला और 15 पुरुष नक्सली शामिल हैं। इसके बाद बुधवार को फिर से सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। बताया जा रहा है कि अभी मारे गए नक्सलियों की संख्या और बढ़ सकती है।

प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने एनकाउंटर की जानकारी देते हुए बताया कि फायरिंग में 1 जवान घायल हुआ है, उसकी हालत खतरे से बाहर है।

छत्तीसगढ़ के 11 जिलों में यलो अलर्ट जारी, भारी बारिश की संभावना

श्रीकंचनपथ न्यूज

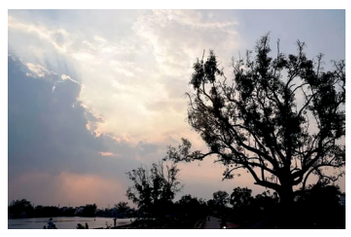

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बुधवार से फिर मौसम करवट लेने वाला है। अगले तीन दिनों तक हल्की मध्यम बारिश के साथ तीव्र तूफान की संभावना है। तापमान में चार डिग्री तक गिरने की संभावना है, इससे पड़ रही भीषण गर्मी में लोगों को राहत मिल सकती है। मौसम विभाग ने प्रदेश के 11 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है।

इन जिलों में सुकमा, बीजापुर, दक्षिण बस्तर दंतेवाडा, बिलासपुर, कोरबा, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, मुंगेली, सुरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, बलरामपुर शामिल हैं। इन जिलों में बादल गरजने, आकाशीय बिजली चमकने और 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवायें चलने के साथ ही बारिश होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटे में प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की मध्यम बारिश हुई है। वहीं दुर्ग में सबसे ज्यादा दिन का तापमान 41.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। आज पूरे प्रदेश में बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, रायपुर में आज आकाश आंशिक मेघमय रहने की संभावना है। हालांकि सुबह से ही गर्मी पड़ रही है। तापमान अधिकतम 41 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम और 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

अजब प्रेम की गजब दास्तां

श्रीकंचनपथ

आम तौर पर यह माना जाता है कि युवतियां उम्र में अपने से बड़े और भरोसेमंद युवक या मर्द की तरफ आकर्षित होती है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। शायद युवतियां अपने जीवन में एक ऐसा मर्द चाहती हैं जो उनसे ज्यादा मच्योर हो, अनुभवी हो, आर्थिक रूप से सक्षम हो तथा उसकी सुरक्षा और सही देखभाल कर सके। कहा यह भी जाता है कि किसी भी लड़की के जीवन में उसका पिता ही उसका पहला रोल मॉडल होता है। कहीं-कहीं बड़ा भाई भी इस रोल में फिट हो जाता है। शायद इसीलिए समाज ने इसे सहर्ष स्वीकार कर लिया कि वैवाहिक संबंधों में वर को वधु से कुछ साल बड़ा होना चाहिए। मनोविज्ञान भी इस तथ्य को स्वीकार करता है। पर सूरत में जो हुआ वह इसके सर्वथा विपरीत था। एक शिक्षिका ने पांचवी के एक छात्र से दोस्ती की। वह उसे ट्यूशन पढ़ाती थी। पहले वह उसके घर जाती थी पर फिर उसने उसे अपने घर बुलाना शुरू कर दिया। यह रिश्ता देखते ही देखते जिस्मानी रिश्ते में तब्दील हो गया। बात तब खुली जब एक दिन युवती बच्चे को लेकर भाग गई। बच्चा अब तक 13 बरस का हो चुका था। टीचर भी 23 की हो गई थी। जमकर तलाश शुरू हुई तो एक दिन दोनों पकड़ में भी आ गए। तब जाकर खुलासा हुआ कि 13 साल के उस बच्चे के साथ टीचर के जिस्मानी रिश्ते थे। वह गर्भवती थी और यही कारण था कि वह उसे लेकर भाग खड़ी हुई थी। कोर्ट के आदेश से गर्भपात करा दिया गया है। डीएनए के लिए भ्रूण को सुरक्षित रखने के आदेश दिए गए हैं। फौरी तौर पर युवती को ही दोषी ठहराया जाएगा और कानून भी इसे युवती का अपराध ही मानेगा। पर बात यहीं खत्म नहीं हो जाती। सवाल यह उठता है कि युवती ने उस बालक में ऐसा क्या देखा? कहीं ऐसा तो नहीं कि महिलाएं कभी-कभी मातृत्व की भावना से प्रेरित होकर भी प्रेम कर बैठती हैं? मनोविज्ञान कहता है कि टीचर और स्टूडेंट एक दूसरे के साथ काफी वक्त बिताते हैं। स्टूडेंट जहां अपने टीचर को एक जानकार और मजबूत शख्स के रूप में देखता है वहीं टीचर स्टूडेंट को अपने अनुसार गढ़ने की कोशिश कर रहा होता है। यहीं से दोनों का करीब आना शुरू हो जाता है। आम तौर पर यह एक भावनात्मक रिश्ता होता है पर यह रिश्ता इससे आगे तक भी जा सकता है। शिक्षक अपने विद्यार्थी के लिए रक्षात्मक हो सकता है और फिर उसे अपनी सुरक्षा में लेने के लिए प्रयत्नशील हो सकता है। इस मामले में दोनों ही भावनात्मक उथल पुथल की दौर से गुजर रहे थे। संभवत: दोनों के जीवन में भावनात्मक रिक्तता थी, खालीपन था। हो सकता है कि वो इसी खालीपन को भरने की कोशिश कर रहे थे। प्रथमदृष्टया यह गलत तो है पर इसमें गलती किसकी है कहना मुश्किल है।

संपादकीय

राजनीति में मौका तो सबको मिलता है

राजनीति में आगे बढ़ने तथा बड़ा नेता से और बड़ा नेता बनने का मौका तो सबको मिलता है लेकिन बहुत ही कम लोग होते हैं जो इस मौके का पूरा फायदा पूरी हिम्मत से उठा पाते हैं। जो मौके का फायदा पूरी हिम्मत से उठा लेता है, उसे बड़ा नेता, राष्ट्रीय नेता बनने से कोई नहीं रोक सकता।चाहे वह किसी प्रदेश का नेता हो, किसी धर्म का नेता हो,किसी जाति का नेता हो,किसी क्षेत्र का नेता हो वह अपने सीमित दायरे से निकलने की हिम्मत करता है, जोखिम लेता है तो वह बड़ा नेता बनता है, फिर वह किसी धर्म, किसी जाति,किसी क्षेत्र, किसी प्रदेश, किसी समाज का नेता नहीं रह जाता है, वह फिर देश का नेता हो जाता है।बहुत से क्षेत्रीय नेताओं, किसी धर्म के लोगों के नेताओं को मौका मिलता है राष्ट्रीय नेता बनने को तो वह इसलिए नहीं बन पाते हैं, उनको लगता है इससे उनको क्षेत्र की राजनीति में नुकसान हो जाएगा। बहुत सारे क्षेत्रीय नेता छोटे राजनीतिक फायदे की चिंता करते हैं, इसलिए वह बड़े राजनीतिक फायदे से वंचित रह जाते है। पूरी जिंदगी वह क्षेत्र विशेष के नेता माने जाते हैं। राज्य विशेष के नेता माने जाते हैं।

> *पहलगाम में आतंकियों ने 26 भारतीय पर्यटकों की हत्या कर दी। 2014 के पहले ऐसी कई आतंकवादी घटनाएं देश में हो चुकी हैं। किसी सरकार, किसी राजनीतिक दल ने किसी घटना को बड़ी घटना के रूप में नहीं लिया। घटना का मुंहतोड़ जवाब देने को नहीं सोचा। 2014 के बाद दो बड़ी घटनाओं को मोदी सरकार ने गंभीरता से लिया और उसका समय के हिसाब से सर्जिकल व एयर स्ट्राइक जैसा जवाब दिया। इससे पीएम मोदी एक मजबूत नेता माने गए और भाजपा देश पर हमला करने वालों को जवाब देने वाली पार्टी मानी गई। पीएम मोदी व भाजपा को मौका मिला तो उन्होंने उस मौके का पूरा फायदा उठाया। दूसरे राजनीतिक दलों व उनके नेताओं की तरह डरे नहीं कि पाकिस्तान के पास परमाणु बम है, कहीं वह चला न दे। पीएम मोदी पाकिस्तान से डरे नहीं, मुंहतोड़ जवाब दिया इसलिए मजबूत नेता माने गए, देश की रक्षा करने में सक्षम नेता माने गए। पहलगाम घटना हुई तो फिर देश ने पीएम मोदी से पाकिस्तान को पिछली बार से ज्यादा कड़ा जवाब देने की अपेक्षा की।*

पीएम मोदी ने देश की जनता से वादा किया वह जैसा चाहती है, वैसा ही किया जाएगा। पाकिस्तान को बड़ा व कड़ा जवाब देना हो तो सब पहलुओं पर सोचना पड़ता है, मोदी सरकार ने इसके लिए 15 दिन का समय लिया। इस दौरान देश के कांग्रेस सहित कई राजनीतिक दलों के नेताओं ने पीएम मोदी व भाजपा का खूब मजाक उड़ाया। जैसे अयोध्या के समय उड़ाया करते थे, मंदिर वही बनाएंगे तारीख नहीं बताएंगे। मोदी से सब तारीख पूछते रहे। पीएम मोदी ने तारीख तय करने का काम सेना को सौंप दिया। सेना को जिस दिन लगता है कि यही दिन पाकिस्तान को कड़ा व बड़ा जवाब देने के लिए ठीक है वह जवाब दे सकती है। सेना ने वैसा ही जवाब दिया जैसा जवाब देश के लोग चाहते थे।यह जवाब देने की छूट पीएम मोदी ने सेना को दी थी, इसलिए जवाब देने में सेना सफल रही।यही सेना तो पहले भी थी जब कई बड़े से बड़े आतंकवादी हमले देश पर हुए थे और सेना कार्रवाई का आदेश मांगती थी तो आदेश देने से सरकार डर जाती थी, पीएम डर जाते थे।

मजबूत सेना का उपयोग मजबूत नेता ही मजबूती से कर सकता है। सेना मजबूत तब होती है जब समय के हिसाब से उसके पास सारी सुविधा व साधन होते है। सेना की तारीफ करने से सेना मजबूत नहीं हो जाती है। सेना को हर आधुनिक उपकरण, हथियार मिलने से ही सेना मजबूत होती है। पीएम मोदी यह जानते है इसलिए उन्होंने दस साल में सेना का समय के हिसाब मजबूत बनाने का प्रयास किया। दस साल में सेना के मजबूत होने पर पाकिस्तान को जवाब देने की शुरुआत की और हर बार बड़ा और कड़ा जवाब दिया। इस बार तो ऐसा जवाब दिया है जो 2014 के पहले कोई देने को सोच नही सकता था। तब के नेता जवाब नहीं देते कि पाकिस्तान हमला कर देगा और मुसलमान नाराज हो जाएंगे। पहली बार पाकिस्तान के हमला कर देने के डर को पीएम मोदी ने खत्म कर दिया है। देश के लोगों को यकीन दिला दिया है कि पाकिस्तान हमला करेगा तो उसके हमले का भी हम जवाब देंगे, जवाब दिया भी, तीन दिन में ही पाकिस्तान को बता दिया कि यह बदला हुआ भारत है, जवाब देना जानता है और ऐसा जवाब देना जानता है जैसा जवाब पहले कभी न मिला हो। मजबूत नेता के नेतृत्वमें मजबूत सेना ने जवाब दिया तो पूरा देश ने माना यही सही जवाब है।

इस बार विपक्ष के किसी नेता ने सबूत नहीं मांगा क्योंकि सेना इस बार सबूत भी लेकर आई थी और देश दुनियां को दिखाया भी हमने सिर्फ आतंकियों के ठिकानों को उड़ाया है। अंदेशा था पाकिस्तान आतंकियों की रक्षा न कर पाने से बौखलाकर सैन्य कार्रवाई करेगा इसलिए पहले से ऐसी तैयारी कर ली गई थी कि पाकिस्तान के सारे द्रोण व मिसाइल को हवा में नष्ट कर दिया जाए और ऐसा किया भी किया। साथ ही पाकिस्तान के कई एयरबेस पर हमला कर ऐसा नुकसान पहुंचाया गया कि पाकिस्तान को भी समझ आ गया कि अब भारत पहले वाला भारत नहीं है, अब भारत की सेना भी पहले वाली सेना नहीं है। मोदी के समय की सेना के निशाने पर पूरा पाकिस्तान है। जब चाहे जिसे चाहे भारत निशाने पर ले सकता है।

मोदी व सेना का काम ही ऐसा था कि विपक्ष को मोदी सरकार के साथ खड़ा होना पड़ा, कार्रवाई की सराहना भी करनी पड़ी। विपक्ष के कई नेताओं ने इसके लिए सेना का सराहना की और मोदी को कोई श्रेय नहीं देने का प्रयास किया लेकिन देश की जनता ने इसका पूरा श्रेय मोदी के साथ सेना को भी दिया। पाकिस्तान के निरंतर झूठ कहने के कारण पीएम मोदी ने एक और राजनीतिक दांव चलना पड़ा, विपक्ष इसका भी विरोध न कर सका। विपक्ष के सभी राजनीतिक दलों को मोदी सरकार का साथ देना पड़ा। यह दांव था पाकिस्तान के आतंकवाद की पोल खोलने विश्व के कई देशों को डेलीगेशन भेजने का फैसला। यह दांव ऐसा था कि कोई विरोध कर ही नहीं सकता था क्योंकि यह तो देश का काम था। भाजपा चाहती तो भाजपा नेताओं को ही भेज सकती थी लेकिन पीएम मोदी ने सरकार के काम की जगह देश का काम बताकर विपक्ष का उपयोग बड़ी खूबसूरती से पाकिस्तान की पोल खोलने के लिए कर लिया है।

देश ने सभी नेताओं को मौका दिया था कि वह खुद को राष्ट्रीय नेता के रूप में स्थापित कर सकें। राहुल गांधी चाहते तो वह भी अपनी जातिवादी छबि को बदल सकते थे लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इस मौके का सबसे ज्यादा फायदा औवैशी ने उठाया है। वह अब तक कट्टर मुसलमान नेता थे लेकिन जब बात भारत व पाकिस्तान की बात आई तो उन्होंने भारत के साथ खड़ा होना पसंद किया और पाकिस्तान मुर्दावाद के नारे लगाकर सबको चौंका दिया।औवैशी इस दौरान अपने आचार विचार से खुद को राष्ट्रवादी नेता के रूप में प्रस्तुत किया। इस काम के लिए देश के लोगों ने औवैशी की बड़ी सराहना की है कि औवैशी ने मौका आया तो खुद को मुसलमान से पहले भारतीय समझा। अब औवैशी मुसलमानों के नेता नहीं भारत के नेता हैं। वह विदेशों में पाकिस्तान के खिलाफबोलेंगे तो उनका राजनीतिक कद देश में और ऊंचा होगा। वह देश के बड़े नेता तो माने ही जाएंगे वह वह सबके नेता भी माने जाएंगे।

अफ्रीका महाद्वीप में चिंताजनक स्थिति

भारत डोगरा

वर्ष 2025 के आरंभ में अफ्रीका महाद्वीप में चिंताजनक स्थिति को देखते हुए यहां शांति प्रयासों को और सशक्त करने की चर्चा थी। अब लगभग चार महीनों के बाद हम जो स्थिति देख रहे हैं, वह चिंताओं को कम नहीं करती है अपितु और बढ़ाती ही है क्योंकि इस दौरान सबसे संवेदनशील क्षेत्रों-सोमालिया, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो तथा सूडान एवं दक्षिण सूडान के हालात तेजी से और बिगड़े हैं।

सूडान में दो वर्ष से यानी अप्रैल, 2023 से गृह युद्ध चल रहा है। इससे पहले यहां अन्य गृह युद्ध भी हो चुके हैं और सूडान से अलग होकर एक नया देश वर्ष 2011 में ही बन चुका है। अत: इस क्षेत्र में वैसे ही अमन-शांति बनाए रखने की बहुत जरूरत है पर वास्तविकता इससे विपरीत रूप में सामने आ रही है। सूडान में दो वर्षो से चल रहे गृह युद्ध में 150,000 लोग मारे गए हैं और 1 करोड़ 20 लाख लोग विस्थापित हुए हैं। तिस पर यदि आप यह याद रखें कि इनमें से बहुत से लोग पहले से अभावग्रस्त रहे हैं तो आप समझ सकते हैं कि यहां की मानवीय त्रासदी कितनी गहरी हो चुकी है। महिलाओं सहित अनेक लोगों को बहुत अत्याचार सहने पड़े हैं।

चूंकि सूडान के कुछ पड़ोसी देश स्वयं अभाव और हिंसा से त्रस्त हैं अत: बड़ा सवाल यह है कि सूडान की हिंसा से बचते हुए लोग आखिर, सुरक्षा के लिए जाएं तो जाएं कहां। इस स्थिति को दक्षिण सूडान की तेजी से बिगड़ती स्थिति ने और विकट बना दिया है। वर्ष 2011 में स्वतंत्र देश के रूप में अस्तित्व में आने के बाद वर्ष 2013 में दक्षिण सूडान में गृह युद्ध आरंभ हो गया था। यह पांच वर्ष तक चला। अनुमान है कि इसमें लगभग 4 लाख लोग मारे गए और लगभग 40 लाख लोग विस्थापित हुए। वर्ष 2018 में यह देश सुलह-समझौते की ओर बढ़ा। जो समझौता हुआ, उसमें हिंसा तो थम गई पर इसका आधार मजबूत नहीं था। इस वर्ष यह कमजोर आधार भी टूटने लगा है।

जिन मुख्य नेताओं को विभिन्न अपने जातीय आधार पर सरकार में शीर्ष के स्थान दिए गए थे, उनमें आपसी मतभेद और टकराव आ गया है और डर है कि जातीय हिंसा फिर भड़क सकती है। उधर बड़े पड़ोसी देश सूडान में जो गृह युद्ध चल रहा है, उसका एक गुट भी दक्षिण सूडान में हिंसा भड़काने में लगा है। इस कारण यह खतरा बढ़ गया है कि इन दोनों देशों की हिंसा आपस में मिल कर एक और भी बड़ी मानवीय त्रासदी का रूप ले सकती है। इस हिंसा के तार कहीं न कहीं संसाधनों और भूमि को हड़पने के कुप्रयासों से जुड़ते हैं और इस होड़ में शक्तिशाली विदेशी तत्व भी जुड़े हुए हैं।

इस कारण यह संभावना बढ़ जाती है कि विभिन्न विरोधी गुटों को अलग-अलग विदेशी स्रोतों से धन मिलता रहेगा जिससे वे अधिक विध्वंसक हथियार खरीद सकेंगे और इस तरह विनाश बढ़ता रहेगा। इसी तरह यदि डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो जैसे बड़े और महत्त्वपूर्ण देश को देखें तो वहां सोने और अन्य बहुमूल्य खनिजों की बहुत उपलब्धि है और इसे हड़पने के प्रयासों में लगी ताकतें हिंसक हमले करते रहती हैं। यह प्रवृत्ति तब और तेज हो जाती है जब यहां की केंद्रीय सरकार कमजोर पड़ती है। ये हमलावर तब विदेशों से तो सहायता प्राप्त करते ही हैं साथ में कई बार तो विदेशी सेना स्वयं बहुत प्रत्यक्ष रूप में हमले में नजर आती है। हाल के महीनों में खनिजों की दृष्टि से संपन्न पूर्वी क्षेत्रों में विदेश से जुड़े सैनिक तेजी से आगे बढ़े हैं। यहां ध्यान रखना जरूरी है कि हाल के दशकों में अफ्रीका का सबसे बड़ा युद्ध डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो को केंद्र में रख कर ही हुआ था जिसमें आसपास के अनेक अन्य देश भी शामिल हो गए थे। इस इतिहास को देखते हुए इस ओर विशेष ध्यान देने की जरूरत है कि यहां की स्थिति अधिक विकट न बने।

इसके अतिरिक्त इथिओपिया, लीबिया, मोजाम्बिक, सोमालिया और सेहल क्षेत्र के देशों में हाल में स्थितियां चिंताजनक रही हैं। मानवीय संकट बढ़ती भूख, विस्थापन और शरणार्थियों की समस्या के रूप में विकट हो रहा है। जलवायु बदलाव के दौर में प्रतिकूल मौसम की मार अनेक देशों को सहनी पड़ रही है। बढ़ते अभाव और भुखमरी के बीच बाहर से पहुंचने वाली सहायता सामग्री और खाद्य भी जरूरत से बहुत कम पड़ रहे हैं। इस स्थिति में अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अफ्रीका के लोगों के दुख-दर्द को कम करने में वहां अमन-शांति कायम करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। हाल के अनुभवों से यह भी स्पष्ट हो जाता है कि अलगाववाद के रूप में समस्याओं के समाधान को खोजना निर्थक ही नहीं खतरनाक भी सिद्ध हो रहा है। सूडान में बढ़ती समस्याओं के बीच कुछ लोगों ने यह समाधान खोजा कि अपना अलग देश दक्षिण सूडान बना लें।

अलग होकर यह नया देश बन भी गया और इसे मान्यता भी मिल गई। पर इसके बावजूद कुछ ही समय बाद दक्षिण सूडान का अपना गृह युद्ध भी आरंभ हो गया। अब स्थिति यह है कि सूडान में बेहद हिंसक युद्ध चल रहा है और दक्षिण सूडान के हालात यदि समय रहते नहीं संभाले गए तो यह देश नये गृह युद्ध की ओर जा सकता है। सोमालिया में भी यही स्थिति देखी जा सकती है। यहां काफी समस्याएं बढ़ जाने के बाद देश का एक भाग सोमालीलैंड के रूप में वर्ष 1991 में अलग हो गया, हालांकि इसे संयुक्त राष्ट्र संघ के स्तर पर या अन्य व्यापक स्तर पर मान्यता नहीं मिल सकी पर कुछ समय बाद सोमालीलैंड में अपने झगड़े आरंभ हो गए। हाल के वर्षो में ये बढ़ गए और गृह युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। हिंसक झड़पों के बाद एक बड़े भाग ने अपना अलग अस्तित्व बनाने की कोशिश की। कुछ समय पहले, इस वर्ष अप्रैल में, इसका विलय सोमालिया में हो गया। इस तरह काफी हिंसा के बाद सोमालीलैंड का एक बड़ा भाग तो वापस सोमालिया में ही पहुंच गया।

दूसरी ओर, सोमालिया में भी आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं और दो अन्य क्षेत्र सोमालिया से फिर अलग होने की स्थिति में हैं। इस तमाम हिंसा में जनसाधारण पिसते रहे हैं। उधर विभिन्न विदेशी साधन-संपन्न ताकतें भी इस हिंसा को भड़का ही रही हैं। इनमें से कुछ देश सोमालिया की मदद कर रहे हैं तो कुछ सोमालीलैंड की। उनके द्वारा दी गई सहायता से अधिक तबाही हो रही है। सोमालीलैंड में कुछ विदेशी ताकतें सैन्य अड्डा बनाना चाहती हैं तो सोमालीलैंड को इस आधार पर और समर्थन मिल सकता है, पर सोमालिया का कहना है कि ऐसी भूमि लीज पर देने का हक केवल सोमालिया को है, सोमालीलैंड को नहीं है और इस कारण यहां के टकराव और बढ़ रहे हैं। अत: इन विभिन्न अनुभवों से सबक लेते हुए अलगाववाद और विशेषकर हिंसक अलगाववाद को छोड़ कर सार्थक बदलाव की अहिंसक राह पर चलने के साथ अमन-शांति के व्यापक प्रयास करने चाहिए।

'सोनहनी' शहद से कोरिया में मीठी क्रांति

एलडी मानिकपुरी, सहा.जन. अधिकारी

सरगुजा संभाग का कोरिया जिला अब सिर्फ अपनी प्राकृतिक सुंदरता और जैविक खेती के लिए नहीं, बल्कि शुद्ध, प्राकृतिक और जैविक शहद सोनहनी के लिए भी जाना जाएगा। यह संभव हुआ है जिला प्रशासन, कृषि विज्ञान केंद्र और स्थानीय किसानों की साझेदारी से, जहां आधुनिक मधुमक्खी पालन तकनीक, इटालियन मधुमक्खियों और शुद्ध पर्यावरण ने एक नई क्रांति की नींव रखी है।

जिले की कलेक्टर चंदन त्रिपाठी की दूरदर्शी सोच और पहल से यह परियोजना दिसंबर 2024 में शुरू हुई। उन्होंने किसानों को हरियाणा के कुरुक्षेत्र स्थित एकीकृत मधुमक्खी पालन विकास केंद्र भेजा, जहां 20 किसानों ने सात दिवसीय विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया। इन 20 किसानों का चयन कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा जिले के विभिन्न ग्रामों में फूलों के उपलब्धता, जैविक खेती का क्षेत्रफल एवं कृषकों के रूचि के आधार पर सर्वे के द्वारा किसानों का चयन किया गया। इन किसानों को 25-25 मधुमक्खी पेटियां दी गईं, जिनमें झारखंड से लाई गई इटालियन मधुमक्खियों को बसाया गया।

'सोनहनी' शुद्धता का प्रतीक

इटालियन मधुमक्खियाँ न केवल अधिक उत्पादन देती हैं, बल्कि इनसे प्राप्त शहद की गुणवत्ता भी बेहतरीन होती है। एक पेटी से सालाना 30 से 50 किलो तक शहद प्राप्त किया जा सकता है। अन्य बड़े ब्रांडों की तुलना में यह शहद पूरी तरह जैविक है। बिना मिलावट, रंग या कृत्रिम शर्करा के फूलों की विविधता के कारण शहद का रंग और स्वाद भी भिन्न होता है। संतरे के फूल से हल्का शहद तो जंगल के फूलों से गाढ़ा एम्बर रंग का शहद प्राप्त होता है।

कोरिया की जलवायु बनी वरदान

कोरिया जिला पहले से ही जैविक खेती के लिए प्रसिद्ध है। यहां की जलवायु, प्रदूषण रहित वातावरण और फूलों की भरपूर विविधता मधुमक्खियों के लिए आदर्श है। कृषि विज्ञान केंद्र, कोरिया के वरिष्ठ वैज्ञानिक कमलेश सिंह के अनुसार, अक्टूबर से मार्च तक का समय मधुमक्खी पालन के लिए सबसे उपयुक्त है।

जंगल का शहद: पोषण से भरपूर

यहां तैयार शहद सिर्फ पारंपरिक फूलों से नहीं, बल्कि महुआ, पलाश, अर्जुन, नीम, हर्रा-बहेड़ा जैसे औषधीय पेड़ों से भी एकत्र होता है, जिससे यह खनिज और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। शुरुआती चरण में किसानों ने दिसंबर 2024 से जनवरी 2025 तक स्थानीय बाजारों व बिहान मेला में लगभग 30,000 रुपए का शहद बेचा है, जिसकी आय उन्हें समान रूप से वितरित की गई। यह पहल जिला खनिज न्यास संस्थान की मदद से चलाई जा रही है, जिसका उद्देश्य किसानों की आजीविका को सशक्त बनाना है। कलेक्टर चंदन त्रिपाठी का मानना है कि यह पहल न केवल किसानों को आत्मनिर्भर बनाएगी, बल्कि कोरिया जिले को शुद्ध शहद उत्पादन में अग्रणी भी बनाएगी। उनका कहना है हमारा उद्देश्य किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। 'सोनहनी' शुद्धता का प्रतीक बनेगी और इससे जिले को एक नई पहचान मिलेगी।

तकनीक और प्रशिक्षण के साथ आगे बढ़ते किसान

शहद निकासी के लिए किसानों को एक्सट्रैक्टर मशीन दी गई है। इसके साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा सरसों, धनिया और रामतिल के बीज भी नि:शुल्क दिए गए हैं, जिससे मधुमक्खियों को पराग स्रोत मिल सके। पैकेजिंग का कार्य स्थानीय स्वयं सहायता समूह कर रहे हैं, जिससे महिलाओं को भी आजीविका का अवसर मिल रहा है। वर्तमान में 300 ग्राम श्सोनहनीश् शहद की कीमत 175 रुपए रखी गई है।

परिश्रम, पर्यावरण और प्रौद्योगिकी से बदलती तस्वीर

निश्चित ही सोनहनी न सिर्फ शहद है, बल्कि यह कोरिया के किसानों के आत्मविश्वास, नवाचार और बदलाव की कहानी है। आने वाले वर्षों में यह पहल न केवल स्थानीय बाजार, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी मिठास बिखेरेगी

कोई और पद स्वीकार नहीं

हाल में सर्वोच्च न्यायपालिका के जजों का जिस तरह का आचरण रहा है, उसे देखते हुए जस्टिस संजीव खन्ना के इस एलान का महत्त्व और भी अधिक महसूस हुआ है कि रिटायरमेंट के बाद वे कोई पद स्वीकार नहीं करेंगे। यह उत्कृष्ट उदाहरण है। निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना ने अपने कार्यकाल के आखिरी दिन यह प्रशंसनीय घोषणा की कि रिटायरमेंट के बाद वे कोई और पद स्वीकार नहीं करेंगे। इस तरह जस्टिस खन्ना ने एक बेहतरीन मिसाल कायम की है। हाल में सर्वोच्च न्यायपालिका के जजों का जिस तरह का आचरण रहा है, उसे देखते हुए इस एलान का महत्त्व और भी अधिक महसूस हुआ है।

हालांकि इस अप्रिय घटनाक्रम की शुरुआत कई दशक पहले हो गई थी, लेकिन हाल के वर्षों में यह एक बड़ी बीमारी बन गई। रिटायर होते ही राज्यपाल, राज्यसभा के सदस्य, आयोगों या पंचाटों के अध्यक्ष आदि जैसे पद स्वीकार करने वाले जजों की सूची लंबी होने लगी। नतीजा हुआ है कि आज अदालतें जब कोई राजनीतिक महत्त्व का फैसला देती हैं, तो सार्वजनिक चर्चाओं में संबंधित न्यायाधीशों की मंशा या उनकी आगे की गणना की चर्चा होने लगती है। इस तरह न्यायिक निर्णयों की पवित्रता प्रभावित हुई है। उसका असर न्यायपालिका की साख पर पड़ा है। कभी सार्वजनिक दायरे में ये बहस उठी थी कि जजों और ऊंचे पदों पर आसीन नौकरशाहों को रिटायरमेंट के बाद अगला कोई पद स्वीकार करने के पहले कुछ वर्षों का एक कूलिंग पीरियड होना चाहिए।

मगर व्यवहार में इसके विपरीत रुझान आगे बढ़ा और आज वो चर्चा बेमायने मालूम पड़ती है। मगर वो जन आकांक्षाएं खत्म नहीं हुई हैं। बल्कि सिर्फ कार्यपालिका, नौकरशाही और विधायिका से जुड़ी शख्सियतों को लेकर समाज में व्यग्रता बढ़ी है और धीरे-धीरे न्यायपालिका उसके दायरे में आ गई है। इससे पूरी राज्य-व्यवस्था की साख प्रभावित होने की आशंका पैदा हो गई है।

इस पृष्ठभूमि में जस्टिस खन्ना की घोषणा ताजा हवा के झोंके की तरह आई है। प्रधान न्यायाधीश के रूप में उनका छोटा कार्यकाल भी एक बेहतर अहसास छोड़ गया है। उनके अनेक पूर्ववर्तियों के कार्यकाल में जिस तरह के विवाद उठे, जस्टिस खन्ना का कार्यकाल उनसे मुक्त रहा। उन्होंने कमोबेश उन अपेक्षाओं को पूरा किया, जो एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्यायपालिका प्रमुख से होती है। आशा है, उनके उत्तराधिकारी ऐसी ही विरासतों का अनुकरण करेंगे और न्यायपालिका की गरिमा को बहाल करने में सहायक बनेंगे।

अबूझमाड़ अब नहीं रहेगा अबूझ

पीएम जनमन, धरती आबा और नियद नेल्लानार योजनाओं के क्रियान्वयन से ग्रामीणों और रहवासी क्षेत्र का हो रहा है बेहतर विकास

डॉ. ओम प्रकाश डहरिया सहायक जनसम्पर्क अधिकारी

केन्द्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास तथा नक्सलवाद के खात्मे के बाद अबूझमाड़ अब अबूझ नहीं रहेगा। यहां भी ग्रामीणों के विकास के साथ-साथ रहवासी क्षेत्रों में अधोसंरचात्मक तथा मूलभूत सुविधाओं की सुचारू व्यवस्था से पर्यटन का विकास होगा और क्षेत्रवासियों के लिए रोजगार के नये अवसर उपलब्ध होंगे।

गौरतलब है कि पीएम जनमन योजना, धरती आबा, ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जहां एक ओर ग्रामीणों और रहवासी क्षेत्र का शत-प्रतिशत विकास किया जा रहा है वहीं राज्य सरकार की महत्वकांक्षी नियद नेल्लानार योजना सहित शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से हो रहे विकास के साथ-साथ नक्सलवाद के खात्मे की ओर आगे भी बढ़ रहे हैं। इससे अब अबूझमाड़ में भी विकास का नया सवेरा होगा। लोग खुली हवा में निडरतापूर्वक सांस ले सकेंगे। वहां भी चमचमाती सड़कों का जाल बिछने लगा है।

बता दें कि बस्तर क्षेत्र में स्थित अबूझमाड़, छत्तीसगढ़ का एक पिछड़ा और आदिवासी बहुल क्षेत्र है, जो विकास की दृष्टि से अभी भी उपेक्षित है। इस क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र सरकार ने पीएम जनमन और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं।

पीएम जनमन (प्रधानमंत्री जनजातीय जन विकास मिशन) के तहत विशेष पिछड़ी जनजातियों के साथ ही आदिवासी समुदायों के विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। अबूझमाड़ में भी आदिवासी बच्चों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार किया जा रहा है। वहीं धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आदिवासी गांवों के समग्र विकास के लिए काम किया जा रहा है। इस अभियान से गांवों में बुनियादी सुविधाओं जैसे सड़क, पानी, और बिजली की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही, ग्रामीणों को आजीविका के अवसर प्रदान करने के लिए कौशल विकास और स्वरोजगार की योजनाएं भी चलाई जा रही हैं।

इसमें पीएम जनमन और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान अबूझमाड़ के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इन योजनाओं के माध्यम से आदिवासी समुदायों को शिक्षा, स्वास्थ्य, और आजीविका के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। साथ ही, गांवों में बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था से ग्रामीणों का जीवन स्तर सुधर रहा है।

प्रदेश के सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर और कांकेर जिले में नियद नेल्लानार योजना क्रियान्वित की जा रही है, जिसमें इन जिलों के कुल 8 विकासखंडो में 23 सुरक्षा कैंपों के आसपास के 90 ग्रामों का विकास किया जा रहा है। नियद नेल्लानार से तात्पर्य 卐आपका आदर्श ग्राम卐 है अर्थात् ऐसा ग्राम जहां पर निवासरत जनसंख्या को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा चुकी हैं और अब वह अन्य क्षेत्रों की तरह विकास के पथ पर आगे बढ़ने को अग्रसर है।

हम सब जानते हैं कि विशेष पिछड़ी जनजाति के लोग सुदूर वनांचल की बसाहटों में किस तरह अपनी जिन्दगी गुजार रहे होते हैं। बरसात के दिनों में उनके छोपड़ीनुमा घर रहने के लायक नहीं होते हैं। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए पूरी केन्द्र और राज्य सरकार के संवेदनशीलता और समन्वित प्रयास से उनके लिए पक्के आवासों का निर्माण कराया जा रहा है।

पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और नियद नेल्ला नार योजना से जनजातीय इलाकों में की तस्वीर और तकदीर बदल रही है। केन्द्र और छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित उक्त योजनाओं से बस्तर के अबूझमाड़ में तेजी से बुनियादी सुविधाएं विकसित होने लगी है। अबूझमाड़ में एक ओर जहां चमचमाती सड़कों की जाल बिछाई जा रही है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल एवं विद्युत जैसी बुनियादी सुविधाएं भी तेजी से मुहैया भी कराई जा रही है। अब वह दिन दूर नहीं कि जब अबूझमाड़ लोगों के लिए अबूझ नहीं रहेगा। अब अबूझमाड़ में विकास का नया सूरज उग रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन और आदिम जाति कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम के विशेष प्रयासों से जनजातीय इलाकों की स्थिति और वहां के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए लगातार किए जा रहे कार्यों की बदौलत छत्तीसगढ़ के आदिवासी इलाकों में बुनियादी सुविधाएं तेजी से पहुंचने लगी है।

छत्तीसगढ़ की जैव विविधता और ऐतिहासिक धरोहर बेमिसाल हैं। पर्यटन की दृष्टि से यहां की ये दोनों खासियतें अभी तक 'अनएक्सप्लोर्ड' हैं। नक्सलवाद की समाप्ति के बाद अब बस्तर भी जल्दी ही पर्यटन के लिए पूरी तरह खुल जाएगा। यह हिंदुस्तान का सबसे बड़ा टूरिस्ट डेस्टिनेशन बन सकता है। छत्तीसगढ़ के जंगल बेहद मोहक हैं। यहां से बेहतर जंगल और कहीं नहीं हैं। राज्य में हर तरह की कनेक्टिविटी बढ़ रही है। पर्यटन के विकास में इसका बहुत लाभ मिलेगा।

पीएम जनमन और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान अबूझमाड़ के विकास के लिए महत्वपूर्ण योजनाएं हैं। इन योजनाओं के माध्यम से आदिवासी समुदायों को विकास की मुख्यधारा में शामिल किया जा रहा है। हमें उम्मीद है कि इन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से अबूझमाड़ का भविष्य उज्ज्वल होगा।

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

विशाल ज्वेलर्स
BIS - 916 100% Hallmarked
आभूषण लेना तो हॉलमार्क लेना
नया सराफा, जवाहर चौक, दुर्ग
मो.-9827906406

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

छत्तीसगढ़ शासन ने बढ़ाई कलाकारों की पेंशन

भिलाई। छत्तीसगढ़ कलाकार विकास संघ के संस्थापक व प्रदेशाध्यक्ष राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लोक कलाकार नवल दास मानिकपुरी ने शासन द्वारा वयोवृद्ध कलाकारों की पेंशन राशि बढ़ाए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व समूची सरकार का आभार जताया है। इसके साथ ही उन्होंने वर्ष 2023-2024 और 2024-25 का लोककलाकारों का रुका हुआ भुगतान करवाने रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल की पहल पर भी संतोष जताया किया है।
उल्लेखनीय है कि ख्याति प्राप्त कबीर भजन लोकगीत गायक, गीतकार-संगीतकार, आकाशवाणी दूरदर्शन एवं फिल्म कलाकार नवल दास मानिकपुरी छत्तीसगढ़ कलाकार विकास संघ के माध्यम से प्रदेश के लोक कलाकारों की आवाज छत्तीसगढ़ शासन तक पहुंचाते रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार व मौजूद विष्णुदेव साय सरकार को लोक कलाकारों की दशा को लेकर 14 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा था। जिसमें कलाकार की पेंशन को दो हजार रुपए से बढ़ाकर पांच हजार रुपए करने भी निवेदन किया गया था। इसके साथ ही ज्ञापन में इस बात का भी उल्लेख था कि वर्ष 2023-2024 और 2024-25 में संस्कृति विभाग द्वारा करवाए गए आयोजनों के भुगतान नहीं होने से लोक कलाकारों के समक्ष आर्थिक संकट की स्थिति आ गई है। नवल दास मानिकपुरी ने बताया कि हाल ही में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कलाकारों की पेंशन राशि को दो हजार रुपए से बढ़ाकर पांच हजार रुपए करने की घोषणा की है। इसी तरह एक और मांग वर्ष 2023-25 के लंबित भुगतान की थी।

सेल के 'वन डे चेयरमेन' प्रतियोगिता में अपने बहुमूल्य आईडिया करें साझा

भिलाई। स्टील अथॉरिटी ऑफइंडिया लिमिटेड (सेल) के अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने सेल-कर्मचारियों के लिए एक अभिनव और प्रेरणादायक पहल 'वन डे चेयरमेन प्रतियोगिता' का शुभारंभ किया है। यह प्रतियोगिता सेल-कर्मचारियों को यह अवसर प्रदान करती है कि वे एक दिन के लिए अध्यक्ष की भूमिका में सोचें और ऐसा एक विचार प्रस्तुत करें जो संगठन में सार्थक परिवर्तन ला सके। इस प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु सेल के सभी कर्मचारी पात्र हैं, चाहे वे किसी भी संयंत्र, इकाई या विभाग से संबंधित हों। वन डे चेयरमेन प्रतियोगिता का उद्देश्य कर्मचारियों को नेतृत्व के दृष्टिकोण से सोचने के लिए प्रेरित करना व सेल की विकास यात्रा में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कर्मचारियों को अधिकतम 500 शब्दों में अपना विचार लिखकर इंट्रानेट पोर्टल यों पसवकबं पसण्पद ईमेल पते पर भेजना होगा। प्रविष्टियाँ 23 मई 2025 तक आमंत्रित की जा रही हैं। पुरस्कृत किया जाएगा और उनमें से 3 सर्वश्रेष्ठ विचारों के प्रस्तुतकर्ताओं को सेल के शीर्ष प्रबंधन के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर भी प्राप्त हो सकता है।

योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंच रहा: मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आम लोगों की राजस्व संबंधी समस्याओं के तेजी से निराकरण करने के निर्देश कलेक्टरों को दिए हैं। मुख्यमंत्री ने राजस्व मामलों के निराकरण के लिए कलेक्टरों को नियमित रूप से राजस्व न्यायालयों का संचालन करने और इसके लिए दिन भी निर्धारित करने को कहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन तिहार का जायजा लेने के लिए अब तक 19 जिलों का औचक निरीक्षक और समाधान शिविर में शामिल हो चुके हैं।

जनता से मिले फीडबैक से इस बात का गर्व है कि हमारी सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ उन लोगों तक पहुंच रहा है, जिनके लिए सरकार ने योजनाएं बनाई है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए टीम वर्क के साथ काम करना ही हमारी प्रतिबद्धता होनी चाहिए। मुख्यमंत्री आज दुर्ग जिले में आकस्मिक निरीक्षण, समाधान शिविर में शामिल होने के बाद दुर्ग जिला मुख्यालय में कवर्धा, बेमेतरा और दुर्ग जिले के अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी ने सुशासन तिहार में सक्रिय भागीदारी और परिश्रम से अच्छा कार्य किया है। आप सभी ने संकल्प लेकर नागरिकों की समस्याओं के समाधान हेतु कार्य किया है, यह अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं और शिकायतों के समाधान का प्रतिशत बेहतर है, जिससे यह स्पष्ट है कि हम सुशासन और आम जनता की बेहतरी के लिए काम कर रहे हैं। पिछले डेढ़ वर्ष में हमने अनेक अच्छे कार्य किए हैं, जिसका अच्छा फीडबैक जनता से मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी समस्त योजनाएं आमजनता को केंद्र में रखकर बनाई गई हैं। श्री साय ने कहा कि जनहित में किए गए अच्छे कार्यों की हमेशा प्रशंसा होती है और जो अधिकारी अच्छा कार्य करेंगे उन्हें हम पुरस्कृत भी करेंगे। वहीं यदि योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही पाई गई, तो संबंधित अधिकारियों पर जवाबदेही तय कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि जहां कहीं भी पेयजल की समस्या हो, इसको दूर करने का पुख्ता प्रबंध किया जाए। उन्होंने बरसात की मौसमी बीमारियों को ध्यान में रखते हुए अभी से तैयारी करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण हेतु किसानों को फसल चक्र अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए तथा कम पानी वाली फसलों जैसे दलहन एवं तिलहन की खेती को बढ़ावा देने विशेष रूप से प्रयास हो। श्री साय ने कहा कि राजस्व से जुड़े लंबित मामलों के शीघ्र समाधान के लिए शिविरों का आयोजन आगे भी नियमित रूप से किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों के आधार कार्ड और ई-केवाईसी के कारण होने वाली दिक्कतों को भी तेजी से दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि अविवादित नामांतरण के प्रकरण तेजी से निपटाएं और प्राकृतिक आपदा से पीड़ित लोगों को तत्काल राहत दें। उन्होंने बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना की विस्तार से समीक्षा की और सुशासन तिहार के अंतर्गत आवास के संबंध में प्राप्त आवेदनों के निराकरण के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों से अंतर विभागीय समन्वय स्थापित कर निर्माणाधीन सड़कों और शासकीय भवनों लंबित निर्माण कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में स्वामित्व योजना की भी समीक्षा की गई। साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत आय सृजन गतिविधियों और ड्रोन दीदियों के प्रशिक्षण की व्यवस्थाओं पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि ड्रोन दीदियों के प्रशिक्षण की पुख्ता व्यवस्था की जाए ताकि महिलाएं तकनीक से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकें। मुख्यमंत्री कहा कि बड़ी संख्या में प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत होने से महिलाओं के लिए रोजगार के रास्ते खुले है। कंस्ट्रक्शन के लिए सेटरिंग प्लेट को किराए में देकर समूह की महिलाएं अच्छी आय प्राप्त कर रही है। उन्होंने कहा कि हमें महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए ऐसी सभी संभावनाओं पर लगातार काम करना है। बैठक में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत कार्ड वितरण की प्रगति, संस्थागत प्रसव की स्थिति, स्किल्ड बर्थ अटेंडेंट्स की तैनाती, और सिकलसेल स्क्रीनिंग की वर्तमान स्थिति की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार और ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा तालाबों और छोटे जल स्रोतों के इनलेट मार्ग अवरुद्ध न हों, ताकि वर्षा जल का संचयन सुचारु रूप से हो सके और भूजल स्तर बना रहे।

बीएसपी द्वारा अवैध कब्जों के विरुद्ध अभियान जारी
यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा को लेकर दिखाई सख्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग के प्रवर्तन अनुभाग द्वारा भिलाई टाउनशिप में सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से लगातार दूसरे दिन 20 मई 2025 को भी विशेष अभियान चलाया गया।

इस अभियान के तहत सेक्टर-6, साईं बाबा मंदिर रोड, जेपी चैक सुपेला अंडर ब्रिज, चंद्रा-मौर्या टॉकीज अंडर ब्रिज तथा सेक्टर-1 फ्लाईओवर ब्रिज जैसे प्रमुख मार्गों पर अवैध रूप से सड़क पर अतिक्रमण कर व्यवसाय कर रहे ठेला, खोमचा और गुमटी संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। विभाग ने इस दौरान एक दर्जन से अधिक अवैध कब्जे हटाए और चार ठेलों को जप्त भी किया।

नगर सेवाएं विभाग का यह अभियान न केवल यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए था, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती संभावना को रोकने की दिशा में भी एक ठोस प्रयास है। सार्वजनिक सड़कों पर इस प्रकार के अवैध अतिक्रमण न केवल यातायात को बाधित करते हैं, बल्कि आमजन की सुरक्षा को भी गंभीर खतरा पैदा करते हैं।

इससे एक दिन पूर्व भिलाई इस्पात संयंत्र, ट्रैफिक पुलिस तथा भिलाई नगर पालिक निगम की संयुक्त टीम द्वारा सेक्टर-10 और सेक्टर-8 क्षेत्रों में अतिक्रमणकारियों एवं लंबे समय से लावारिस खड़े पुराने वाहनों व ठेलों के विरुद्ध समन्वित कार्रवाई की गई थी। सेक्टर-10 स्थित जोनल मार्केट में दुकानदारों द्वारा बनाए गए अवैध प्लेटफॉर्म और सड़क किनारे की गई पार्किंग के कारण अक्सर जाम की स्थिति उत्पन्न होती है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका के साथ-साथ नागरिकों के बीच विवाद की स्थिति भी बन जाती है।

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग के प्रवर्तन अनुभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी इस प्रकार के अवैध अतिक्रमणों के विरुद्ध नियमित रूप से अभियान जारी रहेगा, ताकि भिलाई शहर में सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित यातायात सुनिश्चित किया जा सके।

सेल वर्तमान व पूर्वकर्मियों के लिए स्टेनलेस स्टील यूटिलिटी उत्पादों पर 35 प्रतिशत की विशेष छूट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने अपने वर्तमान एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए एक विशेष रियायत योजना की घोषणा की है, जिसके तहत वे सेल की सेलम स्टील प्लांट (एसएसपी) द्वारा निर्मित उच्च गुणवत्ता वाले स्टेनलेस स्टील यूटिलिटी उत्पादों पर 35 प्रतिषत की विशेष छूट का लाभ उठा सकेंगे। यह पहल सेल के कॉरपोरेट अफेयर्स डिवीजन एवं सेलम स्टील प्लांट द्वारा संयुक्त रूप से शुरू की गई है।

यह विशेष योजना केवल सेल के कार्यरत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए लागू होगी तथा इसका उद्देश्य स्वदेशी रूप से निर्मित, खाद्य-ग्रेड स्टेनलेस स्टील उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहित करना है। योजना के अंतर्गत छूट प्राप्त उत्पादों को सेल की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन ऑर्डर किया जा सकता है। संपूर्ण उत्पाद सूची आधिकारिक ब्रोशर में दिए गए क्यूआर कोड के माध्यम से देखी जा सकती है। उत्पादों की आपूर्ति प्लांट में उपलब्धता के आधार पर की जाएगी। सेलम स्टेनलेस स्टील प्लांट, जो ऑस्टेनिटिक स्टेनलेस स्टील निर्माण में देश का प्रमुख केंद्र है, ने अपनी वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स (वीएप) श्रृंखला के अंतर्गत घरेलू उपयोग हेतु एक विविध और व्यापक उत्पाद रेंज तैयार की है।

इसमें डिनर सेट, कैसरोल, लंच बॉक्स, पानी की बोतलें, भंडारण कंटेनर, कुकवेयर, सर्विंगवेयर, टंबलर और फ्लास्क जैसे स्टेनलेस स्टील घरेलू सामान शामिल हैं। ये उत्पाद न केवल स्वच्छता और मजबूती की दृष्टि से उत्तम हैं, बल्कि इनकी डिजाइन भी आधुनिक घरेलू आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अत्यंत सुरुचिपूर्ण ढंग से तैयार की गई है।

सिख यूथ सेवा समिति के द्वारा फिर से कराया गया एक कन्या का विवाह

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सिख यूथ सेवा समिति भिलाई के द्वारा पुनः एक कन्या का विवाह करवाया कन्या के घर पर दो छोटी बहनें मां और एक भाई है जो की मानसिक कमजोर है समिति के पास खुर्सीपार बेबे नानकी गुरुद्वारा साहिब में फार्म जमा किया गया।

जिसका यूथ सिख सेवा समिति भिलाई के द्वारा वेरीफिक्रेशन के पश्चात संस्था के अध्यक्ष इंदरजीत सिंह छोटू के द्वारा समिति के कोर ग्रुप में सहमति के साथ 150 लोगों के लंगर की सेवा, लावा फेरे की सेवा और उपहार स्वरूप सिलाई मशीन देने निर्णय लिया जिसे आज दिनांक 20/05/2025 को बेबे नानकी गुरुद्वारा साहिब खुर्सीपार के सहयोग से संपूर्ण किया समिति के इस नेक कार्य के लिए गुरुद्वारा कमेटी और शादी में आए समस्त लोगों ने समिति की तारीफकी । समिति के कोषाध्यक्ष मलकीत सिंह ने बताया कि यूथ सिख सेवा समिति भिलाई का ये उद्देश्य है कि भिलाई में रहने वाले कोई भी सिख परिवार अपनी बेटी की विवाह करने में यदि सक्षम नहीं है तो अपने नजदीकी किसी भी गुरुद्वारा साहिब में समिति के द्वारा दिया फॉर्म भरके जमा करदे यदि फॉर्म में दी गई जानकारी सही पाई गई तो बेटी की शादी की संपूर्ण जवाबदारी समिति की होगी ।

बच्ची को आशीर्वाद देने के लिए यूथ सिख सेवा समिति भिलाई के अध्यक्ष इंदरजीत सिंह, उपाध्यक्ष हरनेक सिंह , महासचिव जसवंत सिंह सेनी, कोषाध्यक्ष मलकीत सिंह, सचिव तरलोचन सिंह, सचिव हरपाल सिंह, खेल खुद समिति से हरजिंदर सिंह, विवाह समिति से सर्वजीत कौर, परमजीत कौर, कुलवंत कौर, सलविंदर कौर, रसपाल कौर, रानी कौर और संतोष कौर मौजूद थे।

एसआर हॉस्पिटल एण्ड कॉलेज में पैरामेडिकल टेक्निशियन कोर्स के सफल छात्र-छात्राओं को मिला सर्टिफिकेट, एसडीएम उत्तम ध्रुव व चेयरमेन संजय तिवारी ने दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एसआर हॉस्पिटल एण्ड कॉलेज चिखली दुर्ग के प्रांगण में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना एवं छत्तीसगढ़ पैरामेडिकल टेक्निशियन कोर्स के उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं के सर्टिफिक्रेट वितरण किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तम ध्रुव एसडीएम दुर्ग रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ बसंत वर्मा, अध्यक्ष आईएमए दुर्ग ने की कार्यक्रम में विशेष अतिथि डॉ. अनुपम लाल, डॉ. विश्वामित्र दयाल, डॉ. दिनेश जैन, डॉ. जी गौतम, डॉ. विनीता धुर्वे, विजय यचुरी, विष्णू पाठक, कमल किशोर शर्मा थे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया गया। एसडीएम दुर्ग उत्तम ध्रुव ने छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

भविष्य में हर चुनौती का सामना करके सफल होने के लिए छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया साथ ही एसआर हॉस्पिटल एण्ड कॉलेज चिखली दुर्ग के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की व कौशल विकास योजना के बारे में प्रकाश डाला।

संस्था के चेयरमैन संजय तिवारी ने छात्र-छात्राओं को जीवन में शिक्षा के महत्व को समझाया व मेडिकल क्षेत्र में उज्जवल भविष्य कैसे बनाए इस पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉक्टर, नर्स या पैरामेडीकल टैक्नीशियन बनकर भी देशहित में मानव सेवा में अपना योगदान प्रदान कर सकते हैं। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को सर्टिफिक्रेट वितरण किया गया और मुख्य अतिथियों द्वारा छात्र-छात्राओं को उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए मार्गदर्शन किया गया कॉलेज के छात्र-छात्राओं द्वारा आयोजन में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

अस्पताल के नर्सिंग सुप्रीटेन्डेन्ट विजय गवान्डे ने स्वागत भाषण में अस्पताल व कॉलेज की उपलब्धियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अतिशीघ्र डी फार्मेसी कॉलेज प्रारंभ होगा। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन अरविन्द खैरवार ने किया। कार्यक्रम में अखिलेस सिंह, संजय नायक, डॉ. टोपेन्द्र शुक्ला, डॉ. रघुनन्दन शर्मा डॉ. अजय, डॉ. जेएन पाण्डेय, जाकीर जगजीत, नारायण पाण्डेय, प्रियेश मिश्रा, डॉ. आर्चिस, राजेश त्रिपाठी, आशीष गोस्वामी, हरी साहू, सीमा शर्मा, यमुना पटेल, निशा साहू, सीमा बरहरे, रेशमा साहू, विनिता, नेहा आदि उपस्थित रहे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

मिशन वात्सल्य योजनाः संविदा पदों की प्रारंभिक चयन सूची जारी, दावा-आपत्ति 28 मई तक आमंत्रित

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत राज्य बाल संरक्षण समिति एवं राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन अभिकरण में रिक्त संविदा पदों पर नियुक्ति के लिए प्रारंभिक चयन सूची जारी कर दी गई है। इस संबंध में 25 अक्टूबर 2024 को विज्ञापन जारी किया गया था, जिसके तहत प्राप्त आवेदनों की प्रारंभिक जांच उपरांत पात्र और अपात्र अभ्यर्थियों की सूची तैयार की गई है।

जारी सूची में राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन अभिकरण के कार्यक्रम अधिकारी का एक पद, राज्य बाल संरक्षण समिति के सहायक सह डाटा एंट्री ऑपरेटर का और लेखा सहायक का एक-एक पद शामिल है। कुल तीन पदों पर चयन प्रक्रिया के अंतर्गत प्रारंभिक सूची महिला एवं बाल विकास विभाग की वेबसाइट एवं कार्यालय में उपलब्ध है। विभाग ने इच्छुक आवेदकों से उक्त सूची के विरुद्ध 28 मई तक उपयुक्त दस्तावेजों सहित दावा या आपत्ति प्रस्तुत करने का आग्रह किया है। इस संबंध में अधिक जानकारी महिला एवं बाल विकास विभाग की वेबसाइट https://cgwcd.gov.in/ पर प्राप्त की जा सकती है।

डाटा एंट्री ऑपरेटर भर्तीः गरियाबंद में कल कौशल परीक्षा

रायपुर। गरियाबंद जिला प्रशासन द्वारा आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के अंतर्गत डाटा एंट्री ऑपरेटर के दो रिक्त पदों की पूर्ति हेतु आयोजित लिखित परीक्षा के पश्चात चयन प्रक्रिया आगे बढ़ा दी गई है। लिखित परीक्षा में प्राप्त दावा-आपत्तियों के निराकरण के बाद अंतिम मॉडल उत्तर के आधार पर परीक्षार्थियों को अंक प्रदान किए गए।

इन अंकों के आधार पर कौशल परीक्षा के लिए वर्गवार कुल 20 अभ्यर्थियों को चयनित किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों की कौशल परीक्षा 22 मई 2025 दिन गुरुवार को पूर्वान्ह 12 बजे से लाईवलीहुड कॉलेज, देवभोग रोड, गरियाबंद में आयोजित की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कौशल परीक्षा की विस्तृत सूचना जिला कार्यालय गरियाबंद के सूचना पटल एवं जिले की आधिकारिक वेबसाइट https://gariaband.gov.in पर उपलब्ध है। अभ्यर्थियों को व्यक्तिगत रूप से डाक द्वारा सूचना नहीं भेजी जाएगी, अतः उन्हें नियमित रूप से वेबसाइट पर जानकारी देखते रहने की सलाह दी गई है ताकि वे चयन प्रक्रिया के किसी भी चरण से वंचित न रहें।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड में तबादले

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड में बड़े पैमाने पर तबादला आदेश जारी हुए है। जारी आदेश में सहायक अभियंताओं को कार्यपालन अभियंता, कर पालन अभियंताओं को अधीक्षण अभियंता, अधीक्षण अभियंताओं को अतिरिक्त मुख्य अभियंता, अतिरिक्त मुख्य अभियंताओं को मुख्य अभियंता और मुख्य अभियंताओं को कार्यपालन निदेशक के पदों पर प्रमोशन प्रदान किया गया है। प्रमोशन के अलावा कुछ अधिकारियों को क्रमोन्नत वेतनमान भी प्रदान किया गया है। प्रमोशन के साथ तबादला आदेश भी जारी किया गया है। बिलासपुर में अधीक्षण अभियंता लाइन के रिक्त पद में महासमुंद सर्किल के अधीक्षण अभियंता वीबीएस कंवर को भेजा गया है। जबकि उनकी जगह ईडी विजिलेंस दफ्तर में पदस्थ वायके मनहर को सीएसपीडीसीएल महासमुंद सर्किल का अधीक्षण अभियंता बनाकर भेजा गया है।

प्री बीएड-प्री डीएलएड प्रवेश परीक्षा को लेकर हुई बैठक, निगम आयुक्त ने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने कलेक्टोरेट स्थित सभाकक्ष में बीएड-डीएड की परीक्षा सुचारू रूप से संचालित करने अधिकारियों की बैठक ली। आयुक्त विश्वदीप ने कहा कि परीक्षा दिवस से पूर्व परीक्षा कक्षों में रोशनी, पंखे, फर्नीचर, पेय जल व शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करें और साफ सफाई का विशेष ध्यान दें। परीक्षा केंद्र में निर्बाध विद्युत आपूर्ति की उचित व्यवस्था करें। परीक्षों केंद्रों में उपयुक्त व्यवस्था करें और सभी अभ्यर्थी समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचे।

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल, रायपुर द्वारा आयोजित प्री.बी.एड (B.Ed-25) और प्री.डी.एल.एड (DELED-25) प्रवेश परीक्षा 22 मई को 2 पालियों में आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली सुबह 10 बजे से 12.15 बजे तक एवं द्वितीय पाली दोपहर 2 बजे से शाम 4.15 बजे तक संचालित की जायेगी। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने परीक्षा के सुचारू रूप से संचालन के लिए अपर कलेक्टर नवीन कुमार ठाकुर को को-आर्डिनेटिंग सुपरवाइजर, डिप्टी कलेक्टर उत्तम प्रसाद रजक और रोजगार अधिकारी केदार पटेल को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

टीमवर्क और जवाबदेही के साथ काम करें शिक्षक-प्राचार्यः कलेक्टर डॉ. सिंह

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने जेआर दानी कन्या विद्यालय में जिले के समस्त प्राचार्य और अधिकारियों की बैठक ली। शिक्षा व्यवस्था को गुणवत्तापूर्वक बनाने उन्होंने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि सभी प्राचार्य जवाबदेही और टीमवर्क के साथ काम करें। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए कार्ययोजना बनाएं, हर शिक्षक अपनी जिम्मेदारी समझे और रिजल्ट ओरिएंटेड कार्य करें।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने शिक्षकों को शाला में नियमित रूप से उपस्थित रहने निर्देश दिया। शिक्षकों से उन्होंने कहा कि वार्षिक टाइम-टेबल बनाकर सिलेबस समय पर पूरा करें। शाला प्राचार्य अब बच्चों की कॉपी चेक करेंगे और जहां आवश्यकता होगी, सुझाव देंगे और बदलाव करेंगे। कलेक्टर डॉ. सिंह ने सभी से रूबरू होकर उनकी समस्याएं जानी और कहा कि शिक्षकों को अच्छे परिणाम देने प्रोत्साहित करे ताकि रायपुर जिले का परिणाम बेहतर हो। बैठक में संयुक्त संचालक राकेश पांडेय, जिला शिक्षा अधिकारी विजय खंडेलवाल, शाला प्राचार्य और समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

महापौर चौबे पहुंची काशीराम नगर, व्यवस्थापन को लेकर रहवासियों से चर्चा कर सुनी उनकी समस्याएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने काशीराम नगर आवासीय परिसर में पहुंचकर वहां निवासरत परिवार के लोगों से व्यवस्थापन को लेकर चर्चा की और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। महापौर ने अधिकारियों से व्यवस्थापन को लेकर जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान वार्ड पार्षद महेश ध्रुव, जोन 3 जोन कमिश्नर रमेश जायसवाल, अधीक्षण अभियंता संजय बागड़े, कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा सीनियर, सहायक अभियंता योगेश यदु, नरेश साहू उपस्थिति थे।

रेन वाटर हार्वेस्टिंग पिट निरीक्षण

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, नगरीय नियोजन एवं भवन अनुज्ञा विभाग के अध्यक्ष मनोज वर्मा, आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम नगर निवेश विभाग द्वारा नोटिस देने के पश्चात 117 संस्थाओं ने अपने संस्थान में रेन वाटर हार्वेस्टिंग पिट लगवाया है। नगर निवेश विभाग के अभियंताओं द्वारा विभिन्न परिसरों में जाकर रेन वाटर हार्वेस्टिंग पिट का निरीक्षण किया जा रहा है। निगम जोन 8 नगर निवेश विभाग द्वारा कबीर नगर में इम्पीरियल हाइट्स परिसर, इम्पेक्ट फूड इंडस्ट्रियल एरिया, रोमन स्क्वायर विला आवासीय परिसर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया गया और स्थल पर इस सम्बन्ध में सम्बंधित बिल्डर्स को आवश्यक निर्देश दिया।

अतिक्रमण पर बड़ी कार्रवाई

जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप और जिला वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर लाल उम्मेद सिंह के निर्देशानुसार एवं नगर निगम अपर आयुक्त पंकज के. शर्मा, उपायुक्त डॉ. अंजलि शर्मा, नगर निवेशक आभाष मिश्रा, सभी जोन कमिश्नरों, कार्यपालन अभियंताओं के मार्गनिर्देशन में टीम प्रहरी द्वारा नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत सभी जोनों के नगर निवेश विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में राजधानी शहर रायपुर नगर निगम क्षेत्र में जनहित में जनसुविधा हेतु मुख्य मार्गों एवं बाजार क्षेत्रों में अभियान चलाकर यातायात पुलिस बल की उपस्थिति में अतिक्रमण एवं अवैध कब्जे हटाकर सड़क यातायात सुगम और सुव्यवस्थित बनाने कार्यवाही नियमित रूप से प्रतिदिन निरंतरता से जारी है।

इसीक्रम में टीम प्रहरी अभियान के अंतर्गत नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उड़न दस्ता की टीम द्वारा जोनो के साथ मिलकर मार्गों को अतिक्रमण मुक्त बनाने जनहित में जनसुविधा हेतु यातायात पुलिस बल की उपस्थिति में कार्यवाही अभियानपूर्वक लगातार जारी रखी गयी। जोन 2 अंतर्गत रेल्वे स्टेशन मार्ग को अवैध कब्जे हटाकर जनहित में जन सुविधा हेतु सुगम यातायात देने कब्जा मुक्त किया गया। जोन 9 ने वार्ड 10 क्षेत्र में सड़क पर कब्जा जमाकर लगायी गयी कबाड़ दुकान तत्काल सीलबंद करने की कार्यवाही की गई।

नगर निगम जोन 7 नगर निवेश विभाग द्वारा निगम मुख्यालय नगर निवेश उड़न दस्ता और यातायात पुलिस बल की उपस्थिति में शीतला तालाब पार में अभियान चलाकर तालाब के पार को अवैध कब्जों से मुक्त किया। नगर निवेश विभाग निगम मुख्यालय भवन के नगर निवेश उड़न दस्ता ने जयस्तम्भ चौक से साइंस कॉलेज के सामने तक जीई मार्ग में अवैध बैनर और पोस्टर हटाए गए।

रावतपुरा बीएसयूपी कॉलोनी में जलसंकट का त्वरित निदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 6 के क्षेत्र के अंतर्गत रावतपुरा कॉलोनी बीएसयूपी आवासीय परिसर में बोरवेल का पुराना पाईप अचानक फट जाने के कारण से वहाँ तीन मंजिला बीएसयूपी आवासीय परिसर में पेयजल संकट की समस्या आने लगी थी।

तत्काल संज्ञान में लेकर महापौर मीनल चौबे, जोन 6 जोन अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता, आयुक्त विश्वदीप द्वारा दिए गए आदेशानुसार और जोन कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा के निर्देश पर निगम जोन 6 जल विभाग के उपअभियंता हिमांशु चंद्राकर ने टीम सहित तत्काल रावतपुरा बीएसयूपी आवासीय परिसर में बोरवेल की पाईप को बदलकर नई पाईप डालने का कार्य समस्या के त्वरित निदान हेतु प्रारम्भ करवा दिया है। संध्या तक कार्य पूर्ण होने और परिसर में आये अचानक जलसंकट की समस्या का त्वरित निदान होने की जानकारी दी गयी है। स्थल पर बोरवेल की पाईप बदलने का कार्य निरन्तर प्रगति पर है।

हिट एंड रन के तीन पीड़ितों को मिली 2-2 लाख की राहत राशि मिली

रायपुर। सड़क दुर्घटनाओं में तेजी से हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा हिट एंड रन मोटर यान दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर स्कीम 2022 लागू की गई है। राहत राशि के लिए आवेदनकर्ता को प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR), मृत्यु प्रमाण पत्र (यदि लागू हो), शव परीक्षण रिपोर्ट, आधार कार्ड, बैंक खाता विवरण और दुर्घटना से संबंधित अन्य दस्तावेजों के साथ अपने क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी (रा.) के पास आवेदन करना होता है। रायपुर जिले में अब तक हिट एंड रन के 40 मामलों में कुल 80 लाख रुपये की राशि स्वीकृत कर दी गई है। इनमें से तीन पीड़ितों- तिजेश्वरी बाई साहू (रावाभाठा, रायपुर), रगसिल यादव (ग्राम पसौरी, तिल्दा-नेवरा) और अशोक वर्मा (ग्राम निनवा, तिल्दा-नेवरा) को दो-दो लाख रुपये की राशि सीधे उनके खातों में भेजी गई।

उल्लेखनीय है कि हिट एंड रन की घटनाएं वह होती हैं, जहां कोई अज्ञात वाहन चालक किसी व्यक्ति, वाहन या संपत्ति को टक्कर मारकर बिना रुके, मदद किए या पुलिस को सूचना दिए मौके से फरार हो जाता है। ऐसे मामलों में पीड़ित या उनके परिजन सरकार से मुआवजा प्राप्त कर सकते हैं। इस योजना के तहत यदि किसी की मृत्यु होती है, तो मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये तथा यदि कोई व्यक्ति गंभीर रूप से घायल होता है, तो उसे 50 हजार रुपये की राहत राशि दी जाती है।

सिंगल यूज प्लास्टिक संग्रहण बना आय का जरिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशानुसार प्लास्टिक मुक्त जिला के तहत ग्रामीण क्षेत्रों प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट की शुरुआत की गई है। प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट से जुड़कर स्व सहायता समूह की महिलाएं पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है वहीं सिंगल यूज प्लास्टिक संग्रहण आय का जरिया भी बन गया है।

सीईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले के विकासखंड भाटापारा अंतर्गत ग्राम पंचायत गुड़ेलिया, विकासखंड बलौदाबाजार के पनगांव एवं विकासखंड कसडोल के देवरीकला में प्लास्टिक वेस्ट

मैनेजमेंट यूनिट का संचालन ग्राम पंचायत के द्वारा चयनित स्व सहायता समूह के द्वारा किया जा रहा है। प्रत्येक विकासखंड में 4 क्लस्टर बनाया गया है और प्रत्येक क्लस्टर से समूह की दीदियों द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक इकट्ठा कर प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट तक लाया जाता है। उसके पश्चात प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट में कार्य कर रही स्वच्छता समूह की दीदी के द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक की सफाई, क्रॉस या बेलिंग मशीन में पंच कर रिसायकलर या सीमेंट कंपनी को विक्रय के लिए तैयार किया जाता है। वर्तमान में देवरीकला प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट से 7 क्विंटन 25 किलो का पॉलिथीन पंच सीमेंट कंपनी को विक्रय किया गया जिससे 3800 रुपए समूह को प्राप्त हुआ।

बताया गया कि सीमेंट सयंत्र और स्वयं सेवी संस्था गृहणी के साथ प्लास्टिक वेस्ट खरीदने को लेकर एक अनुबंध हुआ है।इस अनुबंध के तहत समूह की महिलाओं द्वारा संग्रहित प्लास्टिक वेस्ट को कंपनी द्वारा क्रय किया जाता है।

रंग संस्कार महोत्सव' के समापन समारोह में शामिल हुए अभिनेता मनोज जोशी व अनुज शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के रंग मंदिर में तीन दिवसीय 'रंग संस्कार महोत्सव' के समापन समारोह में हिंदी फिल्म जगत के मशहूर अभिनेता मनोज जोशी व सुपरस्टार अनुज शर्मा रहे मुख्य आकर्षण।

'रंग संस्कार महोत्सव' पिछले तीन दिनों से चल रहे इस आयोजन में चित्रकला, नाटक एवं कवि सम्मेलन जैसे अनेक विधाओं में प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों के प्रतिभागियों ने भाग लिया और अपने शानदार कला का प्रदर्शन दिया। इस अवसर पर हिंदी फिल्म जगत के मशहूर अभिनेता मनोज जोशी व सुपरस्टार अनुज शर्मा ने प्रतिभागियों को सम्मानित कर कार्यक्रम के सफल आयोजन पर व उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस आयोजन पर हिंदी फिल्म जगत के मशहूर अभिनेता मनोज जोशी, छत्तीसगढ़ी सिनेमा के सुपरस्टार पद्मश्री अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ संस्कृति परिषद के अध्यक्ष एवं संस्कार भारती महानगर रायपुर के अध्यक्ष शशांक शर्मा, संस्कार भारती छत्तीसगढ़ के प्रांतीय संरक्षक योगेश अग्रवाल सहित गणमान्य जनों की उपस्थिति रही।

सोनमणि बोरा ने पीएम जनमन मॉडल आवास का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य में संचालित सुशासन तिहार के तृतीय चरण में आवेदनों का समाधान के अवसर पर रविवार को आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने मनोरा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत करदना में विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा बस्ती पहुंचकर पीएम जनमन मॉडल आवास छतौरी का निरीक्षण किया गया।

इस अवसर पर उप सचिव बी.के. राजपूत, सहायक आयुक्त अंबिकापुर ललित शुक्ला, सहायक आयुक्त जशपुर संजय सिंह, अनुविभागीय अधिकारी जशपुर ओकार यादव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मनोरा रघुनाथ राम, पी.ओ. मनरेगा नमिता, सब इंजीनियर संजय दिवाकर, सरपंच पटवारी और छात्रावास अधीक्षक उपस्थित थे।

प्रमुख सचिव ने निरीक्षण के द्वारा विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों से उनकी सुविधाओं के संबंध में चर्चा किया और मंगरा राम, बिसानी बाई और अरविंद राम के आवासों का भ्रमण किया गया। प्रमुख सचिव के द्वारा पहाड़ी कोरवाओं से आवास निर्माण और उनके आवास के लिए आबंटित राशि के संबंध में जानकारी ली उन्होंने पूछा की आवास के लिए किसी के द्वारा पैसों की मांग तो नहीं की गई है। उसके जवाब में मंगरा राम के द्वारा बताया गया कि किसी के द्वारा पैसे की मांग नहीं किया गया है, साथ ही प्रमुख सचिव के द्वारा राशन कार्ड एवं महतारी वंदन योजना के संबंध में मंगरा राम एवं बिसनी बाई से चर्चा किया गया। उनके द्वारा राशन कार्ड से चावल लेने एवं महतारी वंदन की राशि निकालने में कोई परेशानी नहीं है बताया गया।

पीएम जन मन आवास निर्माण छतौरी में कुल 13 आवास एवं शौचालय निर्मित है निर्माण के संबंध में प्रमुख सचिव के द्वारा संतुष्टि जाहिर की गई। पहाड़ी कोरवा झमा राम के द्वारा आवास में गर्मी के कारण पंखा एवं पानी हेतु नल कनेक्शन का मांग किया गया। जनपद सीईओ के द्वारा मुर्गी एवं बकरी शेड निर्माण, आंगनवाड़ी निर्माण एवं आवास स्थल में पेवर ब्लॉक लगाने संबंधी जानकारी दी गई। प्रमुख सचिव के द्वारा बिजली, पानी एवं पंखा लगाने के संबंधी में विभाग से चर्चा कर पूर्ण कराने हेतु जनपद सीईओ को निर्देशित किया गया। प्रमुख सचिव ने विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों के बच्चों को बिस्किट और पैरों के लिए चरण पादुका भी वितरण किए। उन्होंने बहुत ही आत्मीयता से पहाड़ी कोरवा के बीच पहुंचकर सरल सहज रूप में उनकी बातों को सूना और सभी समस्याओं का गंभीरता से निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।

रायपुर एम्स के गेट नंबर 4 ओपीडी मुख्य आवागमन द्वार पर जल्द होगा चौक का निर्माण

रायपुर। नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर एम्स हॉस्पिटल टाटीबंध जीईमार्ग के मुख्य द्वार गेट चार नंबर,जो मुख्य ओपीडी के आवागमन का मुख्य द्वार है, सड़क पर चौक का निर्माण करने के सम्बन्ध में नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल, कार्यपालन अभियंता अभिषेक गुप्ता सहित सम्बंधित जोन 8 अधिकारियों के साथ स्थल निरीक्षण के दौरान शहीद भगत सिंह वार्ड पार्षद और नगर निगम स्वास्थ्य विभाग की अध्यक्ष गायत्री सुनिल चंद्राकर ने वहाँ आवश्यक कार्यवाही करते हुए शीघ्र चौक का निर्माण करने के निर्देश दिये हैं।

कान्स के रेड कॉर्पेट पर शालिनी पासी के हुस्न का जलवा, इस आउटफिट ने खींचा ध्यान

कान्स 2025 में शालिनी पासी ने रेड कार्पेट पर अपनी अदाओं का जलवा बिखेरा। फेबुलस लाइफऑफबॉलीवुड वाइव्स से मशहूर हुईं शालिनी ने मल्टीकलर गाउन में जलपरी जैसा लुक अपनाया। इसकी खूबी बताते हुए उन्होंने खुद कान्स फिल्म फेस्टिवल से अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर की। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

फिल्मी दुनिया में इन दिनों कान्स फिल्म फेस्टिवल की चर्चा खूब चल रही है। बॉलीवुड के सितारे भी रेड कार्पेट पर अपनी लुक से सभी का ध्यान खींचते नजर आ रहे हैं। इस बीच फेबुलस लाइफ ऑफ बॉलीवुड वाइव्स रियलिटी शो से चर्चा में आई दिल्ली की सोशलाइट और बिग बॉस में बतौर गेस्ट शिरकत करने वाली शालिनी पासी कान्स 2025 में पहुंची। बॉलीवुड सितारों की तरह ही वह सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग रखती हैं। यही कारण है कि रेड कार्पेट से उनकी लुक सामने आने के चंद मिनटों के अंदर ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गई।

जलपरी बनकर कान्स में पहुंची शालिनी पासी

शालिनी पासी अपनी फिटनेस और लग्जरी लाइफको लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। बिग बॉस के पिछले सीजन में उन्होंने दर्शकों को अपनी खूबसूरती और जिंदगी जीने के नियमों से प्रभावित किया। कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करने के साथ ही उन्होंने साभी का ध्यान आकर्षित कर लिया। चुनिंदा स्टार्स ऐसे रहे हैं, जिनका कान्स लुक सबसे ज्यादा चर्चा में आया है, उनमें शालिनी का नाम भी शामिल हो चुका है।

शालिनी पासी की आउटफिट की बात करें, तो वह फिल्म फेस्टिवल में एक मल्टीकलर गाउन पहनकर पहुंची। इस दौरान उनकी लुक को देखकर लगा कि सच में जलपरी आ गई हैं। रेड कार्पेट पर अपने लुक और स्टाइलिश वॉक से उन्होंने सभी का दिल जीत लिया।

शालिनी की आउटफिट में दिखी भारत की संस्कृति की झलक

शालिनी पासी ने अपनी कान्स लुक की जानकारी देते हुए खुद इंस्टाग्राम पर अपनी रेड कार्पेट की तस्वीरें शेयर की। इसमें वह पोज देते हुए फोटो क्लिक करवाती नजर आईं। शालिनी की आउटफिट में भारत की संस्कृति की झलक देखने को मिली। इस बारे में उन्होंने अपनी पोस्ट के कैप्शन में बताया है। उन्होंने नोट में जानकारी दी कि यह गाउन मनीष मल्होत्रा ने डिजाइन किया है, जो हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक की कहानी को कहता है।

कौन हैं साई धनशिका? जिसका दूल्हा बनेगा 47 साल का ये एक्टर, खुलेआम किया खुलासा, बताई शादी की तारीख

एक्ट्रेस साई धनशिका इन दिनों सुर्खियों में हैं और इसके पीछे एक खास वजह है। वह शादी करने जा रही हैं। हाल ही में मीडिया में खबरें आईं कि वह इस साल के आखिर तक वो में तमिल अभिनेता विशाल के साथ शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। धनशिका की आने वाली फिल्म 'योगी दा' के ऑडियो लॉन्च के दौरान, जहां विशाल मुख्य अतिथियों में से एक थे, दोनों ने इस खबर की पुष्टि की। शादी जल्द ही होने वाली है, तो आइए जानते हैं साई धनशिका के बारे में सब कुछ।

15 सालों से हैं दोनों साथ

एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं विशाल को 15 साल से जानती हूं। हम जहां भी मिले, उन्होंने हमेशा एक-दूसरे को पूरा सम्मान दिया। जब भी मुझे कोई परेशानी हुई, उन्होंने हमेशा मेरे लिए आवाज उठाई। जब भी कोई परेशानी हुई, तो वे मेरे घर आए। हमने हाल ही में एक-दूसरे से बात करना शुरू किया और फिर यह (प्यार) परवान चढ़ा। तब उन्हें भी और मुझे भी इस बात का एहसास हुआ। हमने इसे आपसी सहमति से स्वीकार कर लिया। हमें एहसास हुआ कि यह शादी की ओर ले जाएगा। तो इंतजार क्यों? बस एक ही बात है। मैं चाहती हूं कि वह खुश रहें।' इसके बाद उन्होंने मंच पर मौजूद विशाल की ओर मुड़कर कहा, 'आई लव यू।'

साई धनशिका कौन हैं?

साई धनशिका का जन्म 20 नवंबर 1989 को तमिलनाडु के तंजावुर में हुआ था। वह दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग का एक प्रमुख चेहरा हैं। उन्होंने 2006 में तमिल फिल्म मनाथोडु मझैकालम से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी, जिसमें उन्हें मरीना के रूप में श्रेय दिया गया था। इस फिल्म में उन्होंने श्याम, नित्या दास और जयसूर्या के साथ काम किया था। उसी साल, धनशिका ने दो और तमिल फिल्मों, मरंथेन मेइमरंथेन और थिरुडी में भी अभिनय किया।

एक्टर विशाल के साथ साई धनशिका

तीन साल बाद, उन्होंने कन्नड़ फिल्मों में केम्पा के साथ कदम रखा, जिसमें उन्होंने थनुशिका के नाम से काम किया। लेकिन 2009 की फिल्म पेरनमाई में उनकी भूमिका ने उन्हें व्यापक पहचान दिलाई। यह एक एक्शन-एडवेंचर फिल्म थी, जिसमें रवि मोहन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म का निर्देशन जननाथन ने किया था और यह धुरुवन नामक एक आदिवासी वन रक्षक की कहानी बताती है, जो अपने समुदाय के कल्याण के लिए लड़ता है।

रजनीकांत का बेटी बन स्क्रीन पर आईं नजर

धनशिका ने कई तमिल फिल्मों में अभिनय किया, जैसे मान्जा वेलु, निल गवानी सेलाथे, अरावान, परदेशी और थिरंथिडु सीसे। 2016 में, उन्होंने दक्षिण के सुपरस्टार रजनीकांत के साथ फिल्म कबाली में अभिनय किया, जिसमें उन्होंने उनकी बेटी की भूमिका निभाई। इस तमिल एक्शन ड्रामा में राधिका आप्टे, किशोर, दिनेश रवि, कलैयारासन, जॉन विजय और अन्य भी नजर आए थे।

कन्नड़- तमिल के बाद मलयालम सिनेमा में किया काम

उनका करियर यहीं नहीं रुका। साई धनशिका ने 2017 में मलयालम सिनेमा में भी कदम रखा, जिसमें उन्होंने दुलकर सलमान के साथ द्विभाषी फिल्म सोलो में अभिनय किया। बाद में, उन्होंने तेलुगु सिनेमा में शिकरू के साथ प्रवेश किया। उन्हें आखिरी बार 2024 की तेलुगु भाषा की क्राइम एक्शन ड्रामा फिल्म, दक्षिणा में देखा गया था, जिसका निर्देशन तुलसी राम ओशो ने किया था। इस फिल्म में ऋषव बसु, स्नेहा सिंह, अंकिता मुलर, हिमा सैलजा, मगना चौधरी, करुणा और नवीन ने सहायक भूमिकाएं निभाई थीं।

जल्द होगी एक्टर विशाल संग सगाई

अब, 35 साल की उम्र में, धनशिका अपने जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं, इस बार पर्दे के पीछे। उनकी सगाई जल्द ही होने की खबर है और धनशिका और विशाल 29 अगस्त को शादी के बंधन में बंधने वाले हैं।

अमला पॉल बिना शादी के हुई थीं प्रेग्नेंट, कहा- हम कुछ ही महीने साथ रहे

साउथ की फेमस एक्ट्रेस अमला पॉल ने खुलासा किया है कि वो शादी से पहले प्रेग्नेंट हो गई थीं। उन्होंने कहा कि वो और जगत देसाई कुछ ही महीने साथ में रहे थे और उन्हें प्रेग्नेंसी के बारे में पता चला। उस वक्त उन्हें पता नहीं था कि लाइफमें आगे क्या करना है।

तमिल और मलयालम फिल्मों की फेमस एक्ट्रेस अमला पॉल पर्सनल लाइफ के कारण भी खूब चर्चा में रहीं। साल 2011 में अमला का नाम डायरेक्टर एएल विजय के साथ जुड़ा, लेकिन उन्होंने डेटिंग की अफवाहों को खारिज कर दिया। फिर 2014 में कोच्चि में उनसे ही शादी की। पर ये रिश्ता ज्यादा दिन नहीं चल पाया औरर 2016 में तलाक की अर्जी देने के बाद 2017 में डिवॉर्स हो गया। पर उनकी जिंदगी में प्यार फिर से लौटा। उन्होंने 2023 में बिजनेसमैन जगत देसाई से दूसरी शादी की। जून 2024 में उनके बेटे इलाई का जन्म हुआ। अब साउथ एक्ट्रेस ने शादी से पहले हुई प्रेग्नेंसी पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि वो उस वक्त प्रेग्नेंट हुईं, जब उन्हें पता ही नहीं था कि लाइफमें आगे क्या करना है!

अमला पॉल ने जेडब्ल्यूएफ बिंज से बात करते हुए कहा, 'मैं उस समय प्रेग्नेंट हुई, जब मुझे नहीं पता था कि मुझे अपनी लाइफ में क्या करना है। लेकिन उस एक्सपीरियंस ने मुझे दिशा दी और मुझे एक बेहतर इंसान बनाया। सबकुछ मेरे अंदर के उस छोटे से जीवन के बारे में हो गया। मुझे नहीं पता था कि 'मैं' कहां चला गया, पर ये नया फेज मुझे पसंद आया।'

प्रेग्नेंट होने के बाद हुई शादी

अमला पॉल ने आगे बताया कि वो और उनके पार्टनर जगत देसाई कुछ ही महीनों तक साथ रहे थे, तभी उन्हें अपनी प्रेग्नेंसी के बारे में पता चला। उन्होंने कहा, 'शादी बाद में हुई।'

घरवालों के नाम भूलने लगी थी

अमला का स्ट्रगल तब शुरू हुआ, जब उन्होंने अपने पिता को खो दिया और कोरोना काल के दौरान इमोशनली डिस्टर्ब हो गईं। तब उन्हें मानसिक बीमारी के गंभीर लक्षण (सिजोफ्रेनिया) भी महसूस हुए। उन्होंने कहा, 'मैं अपने ही घरवालों के नाम भूल रही थी। तनाव इतना ज्यादा था।'

अमला ने खुद को ऐसे किया ठीक

अमला ने बाली, थाईलैंड, श्रीलंका और लंदन टूर किया। सोलो ट्रिप के दौरान उन्हें खुद से अिमला पॉलर से जुड़ने के महत्व का अहसास हुआ। उन्होंने कहा, 'आप खुद को बचाने के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रह सकते। आपको अपना रास्ता खुद ही खोजना होगा।'

अमला की अपकमिंग मूवी

मालूम हो कि अमला साल 2009 से एक्टिंग की दुनिया में हैं। उन्होंने मलयालम, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ भाषाओं की अिमला पॉलल्मों में काम किया। एक हिंदी अिमला पॉलल्म 'भोला' (2023) में कैमियो किया। अब वो 2025 में Dvija में नजर आएंगी।

उर्वशी रौतेला के साथ हुआ वॉर्डरोब मॉलफंक्शन! रेड कारपेट पर कैमरों में कैद हुआ Oops Moment

उर्वशी रौतेला कांस फिल्म फेस्टिवल में वॉर्डरोब मॉलफंक्शन का शिकार हो गईं, जिससे उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। उर्वशी की रेड कार्पेट पर चलने की वीडियो कई सोशल मीडिया हैंडल्स पर पोस्ट की गई थीं।

उर्वशी रौतेला चाहे अपनी फिल्म प्रमोट कर रही हों या फिर किसी इवेंट में नजर आएं, अक्सर किसी न किसी उल्टी वजह के चलते खबरों में आ ही जाती हैं। इस साल दूसरी बार उर्वशी कांस फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर नजर आईं। लेकिन जहां पिछली बार हर कोई उनके 4 लाख के तोते को देखकर हैरान था। वहीं अब उर्वशी रेड कार्पेट पर अपने Oops मूमेंट के चलते खबरों में आ गई हैं। उर्वशी सैकड़ों कैमरो के सामने अचानक वॉर्डरोब मॉलफंक्शन का शिकार हो गईं। अब लोगों ने इस वीडियो पर एक्ट्रेस को ट्रोल करना भी शुरू कर दिया है।

उर्वशी की रेड कार्पेट पर चलने की वीडियो कई सोशल मीडिया हैंडल्स पर पोस्ट की गई थीं। यह वीडियो ओ एजेंट सीक्रेटो की स्क्रीनिंग के दौरान की है, जो 78वें कांस फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा था। वीडियो में उर्वशी काले रंग की सिल्क तफेटा गाउन में नजर आ रही थीं। जैसे ही उर्वशी ने कैमरों की तरफ हाथ हिलाया, इंटरनेट ने उनकी आर्म के पास ड्रेस में छेद देखा।

इंस्टाग्राम पर फैशन पेज डाइट सब्या ने उर्वशी की वीडियो शेयर की और उसके साथ एक मजाकिया टिप्पणी की, जिसमें लिखा था, देखो, मेहनत का सम्मान करना चाहिए। बेचारी, मुझे उसके लिए बुरा लगता है। कांस में रेड कार्पेट पर चलना, जहां कोई पापाराजी न हो, तो यह डेड किस जैसा है।' एक यूजर ने उनकी स्टोरी पर कमेंट किया, क्या वहां छेद है? एक-यूजर ने लिखा, क्या यह कांस में ड्रेस फटी हुई पहली भारतीय हैं?

उर्वशी ब्लैक कलर के बॉल गाउन में नजर आईं। काले रंग की इस गाउन में पूरी लंबाई वाली शीयर स्लीव्स, क्रू नेकलाइन, स्वीटहार्ट नेक डिटेल, कोर्सेटेड बॉडी, मिड्रिफको हग करती हुई फिटिंग, कमर के पास कसा हुआ वेस्टलाइन, सिल्क की परतों से भरी एक वॉल्यूमिनस स्कर्ट, और पीछे ट्रैन था। उन्होंने इस गाउन को ट्विस्टेड अपडू, एक एम्बेलिश्ड पिंक क्लच, एमेरल्ड कट ईयररिंग्स के साथ कैरी किया। वहीं मेकअप में ग्लॉसी कोरल ब्राउन लिप शेड, कोहल-लाइन आईज़, विंग्ड आईलाइनर, मस्कारा से सजे हुए लैशेज़, फ्लश्ड चीक्स, ग्लोइंग हाइलाइटर, और डार्कनड ब्रो के साथ स्टाइल किया था।

पांचवीं बार पिता बनेंगे यूट्यूबर अरमान? पत्नी कृतिका की प्रेग्नेंसी पर लग रहे कयास

यूट्यूबर और बिग बॉस में नजर आ चुके अरमान मलिक अक्सर किसी न किसी कारण से चर्चाओं में बने रहते हैं। अब अरमान एक बार फिर चर्चाओं में हैं। अरमान मलिक पांचवीं बार पिता बनने वाले हैं। उनकी पत्नी कृतिका मलिक प्रेग्नेंट हैं और दूसरे बच्चे को जन्म देने वाली हैं। इसकी जानकारी भी खुद कृतिका ने दी है।

कृतिका अपने ब्लॉग्स बनाती रहती हैं। अब अपने लेटेस्ट ब्लॉग में कृतिका ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी के बारे में जानकारी दी है। अपने लेटेस्ट ब्लॉग में कृतिका ने सभी घरवालों को एक सरप्राइज गिफ्ट दिया, जिसमें कृतिका की प्रेग्नेंसी टेस्ट किट थी। इस किट में कृतिका की प्रेग्नेंसी

पॉजिटिव दिख रही थी, जिसे देखकर पायल और घर के सभी लोग हैरान रह जाते हैं। इस ब्लॉग में कृतिका कहती हैं, 'फ्रेंड्स मुझे यकीन नहीं हो रहा है कि मैं प्रेग्नेंट हूं। मुझे काफी समय से फैंस पूछ रहे थे कि जैद का भाई या फिर बहन कब आएगा और अब आखिरकार मैं प्रेग्नेंट हूं।'

प्रैंक या सच्चाई ?

कृतिका की यह बातें सुनकर नैनी लक्ष्य भी बहुत खुश हो जाती है। इसके बाद लक्ष्य कहती है कि वह सभी को ये गुडन्यूज देगी, जिस पर कृतिका कहती है कि नहीं घर में सबको बताओ कि मैं नहीं बल्कि तू प्रेग्नेंट है। इसके बाद कृतिका और लक्ष्य जैसे ही सबको लक्ष्य की प्रेग्नेंसी की खबर देती है तो पायल गुस्सा हो जाती है क्योंकि लक्ष्य की अब तक शादी नहीं हुई है।

लेकिन इसी बीच अरमान कहता है कि लक्ष्य अब बालिग है और वह अपनी जिंदगी के फैसले ले सकती है। हालांकि, कृतिका सच में प्रेग्नेंट हैं या फिर ये कोई प्रैंक था, ये साफनहीं है। क्योंकि इसके बाद कृतिका ने जिम करते हुए अपने कई वीडियोज इंस्टाग्राम पर शेयर किए हैं, जिनमें वो फिट नजर आ रही हैं। ऐसे में अब तक ये साफ नहीं है कि कृतिका सच में प्रेग्नेंट हैं या नहीं। हालांकि, लोग उन्हें बधाई दे रहे हैं।

चार बच्चों के पिता हैं अरमान

बता दें कि अरमान मलिक पहले से ही शादीशुदा थे। इसके बाद उन्होंने पायल से शादी की, फिर उसके बाद और कृतिका से भी शादी कर ली। अरमान के अब तक चार बच्चे हैं।

रोजाना मेडिटेशन करना क्यों है जरूरी? जानिए इसके 5 असरदार तरीके

मेडिटेशन एक प्राचीन और असरदार तरीका है, जो मानसिक शांति और शारीरिक सेहत को बढ़ावा देता है। यह न केवल तनाव को कम करने में मदद करता है, बल्कि ध्यान केंद्रित करने की क्षमता भी बढ़ाता है। नियमित मेडिटेशन से आत्म-नियंत्रण और आत्म-विश्वास में सुधार होता है। इसके अलावा मेडिटेशन से जीवन में संतुलन और स्थिरता आती है। आइए आज हम आपको मेडिटेशन के पांच फायदों के बारे में बताते हैं, जो आपके जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

मानसिक सेहत को और बेहतर बनाने में है कारगर

मेडिटेशन मानसिक सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। यह तनाव, चिंता और उदासी को कम करने में सहायक होता है। नियमित मेडिटेशन करने से दिमाग की बनावट में सुधार होता है और यह अधिक स्थिर और संतुलित बनता है। इसके अलावा मेडिटेशन से विचारों को नियंत्रित करने की क्षमता भी बढ़ती है, जिससे मन शांत रहता है। मेडिटेशन के दौरान मन को शांत करने से मानसिक थकान भी दूर होती है।

मेडिटेशन केंद्रित करने की क्षमता को और बढ़ा सकता है

मेडिटेशन करने से ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हमारा मेडिटेशन कई चीजों पर बंट जाता है, जिससे कामकाज में रुकावट आती है। नियमित मेडिटेशन करने से मन को

एक जगह पर केंद्रित करने की आदत पड़ती है, जिससे किसी भी काम को बेहतर तरीके से किया जा सकता है। इसके अलावा मेडिटेशन से मानसिक स्थिरता भी बढ़ती है, जिससे विचारों को नियंत्रित करना आसान होता है।

आत्म-नियंत्रण में है मददगार

मेडिटेशन आत्म-नियंत्रण में भी मदद करता है। जब हम अपने विचारों और भावनाओं को नियंत्रित करना सीखते हैं तो हम अपने कामों पर भी नियंत्रण पा सकते हैं। इससे हमारी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होती है और हम अचानक निर्णय लेने से बच सकते हैं। मेडिटेशन से आत्म-नियंत्रण बढ़ता है, जिससे हम अपने लक्ष्यों को पाने में सफल होते हैं और जीवन में संतुलन बनाए रखते हैं।

शारीरिक सेहत के लिए भी है लाभकारी

मेडिटेशन सिर्फ मानसिक ही नहीं बल्कि शारीरिक सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। यह रक्तचाप को नियंत्रित करता है, दिल की धड़कन को स्थिर करता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है। इसके अलावा मेडिटेशन करने से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है और व्यक्ति अधिक सक्रिय महसूस करता है। नियमित मेडिटेशन से शारीरिक और मानसिक सेहत में संतुलन बना रहता है, जिससे व्यक्ति स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकता है।

शरीर में संतुलन और स्थिरता लाने में है कारगर

मेडिटेशन जीवन में संतुलन और स्थिरता लाने में मदद करता है। जब हमारा मन शांत रहता है तो हम अपने काम और जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से निभा पाते हैं। इससे तनाव कम होता है और जीवन अधिक खुशहाल बनता है। इस प्रकार देखा जाए तो मेडिटेशन कई लाभ प्रदान करता है, जो हमारे जीवन को बेहतर बना सकते हैं। इसलिए मेडिटेशन लगाने की आदत डालें और इसके फायदों का आनंद लें।

निगम के सभागृह को संवारने उद्योग मंत्री ने दी 02 करोड़ 19 लाख रुपए के कार्यों की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने नगर पालिक निगम कोरबा के नेहरू सभागार को संवारने, सभागार को सर्वसुविधायुक्त बनाने एवं परिसर का सौंदर्यीकृत किए जाने हेतु कल सोमवार को 02 करोड़ 19 लाख रूपये के विभिन्न विकास कार्यो व सुविधाओं को बढ़ाने से संबंधित कार्यो का भूमिपूजन किया। इस मौके पर महापौर संजूदेवी राजपूत, सभापति नूतन सिंह ठाकुर, प्रभारी आयुक्त विनय मिश्रा, मेयर इन काउंसिल के सदस्यगण, पार्षदगण, जनप्रतिनिधि एवं निगम के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा पुराने कोर्ट के पास स्थित नेहरू सभागृह में 01 करोड़ 62 लाख 53 हजार रूपये की लागत से फर्नीचर संबंधी कार्य, पब्लिक एड्रेस, वीडियो कांफ्रेंसिंग व साउण्ड सिस्टम का विस्तार कार्य किया जाना हैं, इसी प्रकार सभागृह परिसर में 56 लाख 75 हजार रूपये की लागत से लैण्ड स्केपिंग व संबंधित सिविल कार्य कराए जाने हैं। आज उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करते हुए इन कार्यो का भूमिपूजन किया, कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने की, उन्होने विधिवत पूजा अर्चना की, शिलान्यास पट्टिका का अनावरण किया तथा कार्यो का शुभारंभ कराया। मंत्री श्री देवांगन ने सभागृह में उपलब्ध कराई जाने वाली विविध आधुनिक सुविधाओं व परिसर के विकास कार्यो की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने एवं समयसीमा में सभी कार्यो को पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस मौके पर अपने उद्बोधन में उद्योग मंत्री देवांगन ने कहा कि निगम के इस सभागृह में निगम के निर्वाचित जनप्रतिनिधि, पार्षद, निगम क्षेत्र के विकास व निगम से जुड़े विविध कार्यो से संबंधित निर्णय लेते हैं, जिनका क्रियान्वयन कर नगर निगम शहर का समुचित विकास व मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। उन्होने कहा कि मुझे खुशी है कि जिस स्थल पर नगर के विकास व जनता की सुविधाओं की बेहतरी हेतु निर्णय लिए जाते हैं, उस स्थल को सर्वसुविधायुक्त बनाया जा रहा है, बेहतर स्वरूप दिया जा रहा है। उन्होने कहा कि छत्तीसगढ़ के सभी नगर निगमों के सभागारों में सबसे अच्छा व सुविधायुक्त सभागार कोरबा नगर निगम का बनेगा, ऐसा मैं मानता हूँ, इस हाल में जो कमियाँ है वे दूर की जाएंगी तथा इसे सर्वसुविधायुक्त व आधुनिक व्यवस्थाओं से पूर्ण बनाया जाएगा। मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में राज्य सरकार प्रदेश का सर्वांगीण विकास करने एवं आमजनता के दुख दर्द को दूर करने, उनकी समस्याओं का निराकरण करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है, परिणाम स्वरूप आज सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ प्रदेश के साथ-साथ कोरबा जिले व नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र का तेजी से विकास हो रहा है। मंत्री देवांगन ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह जी के द्वारा अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल में 15 वर्षो तक छत्तीसगढ़ का ऐतिहासिक विकास किया गया, अब पुन: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ विकास की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। उन्होने आगे कहा कि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव शहरी क्षेत्रों के विकास के लिए लगातार प्रयासरत हैं, जिसके परिणाम स्वरूप उनके दिशा निर्देशन में शहरी क्षेत्रों का तेजी से विकास हो रहा है।

इस अवसर पर महापौर संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोरबा शहर व समूचे नगर निगम कोरबा क्षेत्र के विकास हेतु उद्योग मंत्रीलखनलाल देवांगन का लगातार मार्गदर्शन निगम को प्राप्त हो रहा है, उन्होने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव के समक्ष जब भी कोरबा के विकास के लिए धनराशि का आग्रह किया जाता है तो उनके द्वारा इस पर तत्काल अपनी स्वीकृति दी जाती है।

इसके परिणाम स्वरूप नगर निगम क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर विकास कार्य संपादित हो रहे हैं, इसके लिए मैं मुख्यमंत्री, नगरीय प्रशासन मंत्री व उद्योग मंत्री के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ। उन्होने कहा कि उन्हीं के आशीर्वाद से आज नगर निगम कोरबा के इस सभागार को सर्वसुविधायुक्त व बेहतर स्वरूप देने के कार्य की शुरूआत की गई है। इस मौके पर निगम के प्रभारी आयुक्त विनय मिश्रा ने सभागार के जिन विविध कार्यो का आज भूमिपूजन किया गया है, उन कार्यो के संबंध में विस्तार से जानकारी रखी।

सुशासन तिहार में हर समस्याओं का समाधान, संवाद से समाधान की मिसाल बनी मुख्यमंत्री की पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने, जनसुनवाई को प्रभावशाली बनाने और प्रशासनिक तंत्र को जनता के करीब लाने की दिशा में आयोजित सुशासन तिहार के तहत सरगुजा जिले के विकासखंड सीतापुर के देवगढ़ में समाधान शिविर आयोजित हुआ। जिसमें कलेक्टर विलास भोसकर शामिल हुए।

इस अवसर कलेक्टर विलास भोसकर ने आयोजित समाधान शिविर में ग्रामीणों की मांगों और शिकायतों के प्राप्त आवेदनों निराकरण की जानकारी ली। हितग्राहियों से संवाद किया। समस्याओं का निराकरण होने पर लोगों में विश्वास और उत्साह का माहौल देखने को मिला। हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा शुरू की गई इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए इसे जनता और शासन के बीच संवाद का सशक्त माध्यम बताया। शिविर के दौरान ग्रामीणों ने स्वास्थ्य, राशन, पेंशन, बिजली, सड़क, शिक्षा, राजस्व, श्रम और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं को लेकर सुशासन तिहार के प्रथम चरण में आवेदन दिया था। संबंधित विभागों ने कई समस्याओं का समाधान समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया गया।

सुशासन तिहार अंतर्गत देवगढ़ में आयोजित समाधान शिविर में 16 ग्राम पंचायतों को मिलाकर एक सेक्टर बनाया था जिसमें देवगढ़, बमलाया, भवराडाड, रायकेरा, देलसरा, सोनतराई, भुसू, रजपुरी, आमाटोली, सहनपुर, मूरता, खड़ादोरना, ढेकीडोली, सूर शामिल थे। जिसमें मांग के 3824 और शिकायत 54 कूल 3878 आवेदन प्राप्त हुए थे, कुल 3867 आवेदनों का निराकरण हुआ है, शेष 11 आवेदन लंबित है जिसे नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से लोगों को सरकारी योजनाओं, पात्रता और आवेदन की प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई। साथ ही लोगों को मौके पर प्रमाणपत्र, स्वीकृति पत्र और लाभांश भी वितरित किए गए।

खास खबर

स्मार्ट टीवी, नई वर्णमाला से मिल रही रोचक और ज्ञानवर्धक शिक्षा

रायपुर। आदिवासी अंचलों में पढ़ने वाले स्कूली बच्चे अब गणित, विज्ञान सहित हिंदी और अंग्रेजी की पढ़ाई स्मार्ट टीवी और नदियों पर आधारित वर्णमाला के जरिए कर रहे हैं। धमतरी जिले के सूदुर अंचलों में 157 स्कूलों में स्मार्ट टीवी के जरिए अध्यापन किया जा रहा है। इससे एक ओर बच्चों में सीखने की क्षमता विकसित हो रही है वहीं दूसरी ओर इन बच्चों को पढ़ाई के लिए उत्कृष्ट वातावरण मिल रहा है। आदिवासी अंचलों के इन बच्चों को वर्णमाला और भूगोल की रूचिपूर्ण शिक्षा दी जा रही है। इसके लिए 5 देशों की 111 नदियों के नाम पर बच्चों के लिए विशेष वर्णमाला भी तैयार की गई है। बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए पौधरोपण, जल संरक्षण कार्यों से भी जोड़ा जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव लाने की पहल मगरलोड के शासकीय प्राथमिक शाला लुगे में पदस्थ शिक्षिका रंजीता साहू और उनके पति तुमनचंद साहू द्वारा शुरू की गई है। कलेक्टर अविनाश मिश्रा ने शिक्षक दंपत्ति इस पहल की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित भी किया गया है। उन्होंने इस पहल पर शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार का उत्कृष्ट उदाहरण बताया है। उन्होंने कहा कि साहू दंपत्ति ने सीमित संसाधनों में बच्चों के लिए शिक्षा को रोचक और प्रभावी बनाने का जो कार्य किया है, वह अत्यंत सराहनीय है। नदियों पर आधारित वर्णमाला अभी तक लगभग 11 हजार विद्यार्थियों को वितरित की जा चुकी है। समाजिक सहभागिता और 50 प्रतिशत की राशि के सहयोग से अब तक 111 स्कूलों में स्मार्ट टीवी लगाए जा चुके हैं। साथ ही स्कूली बच्चों को शारीरिक, मानसिक और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने का भी प्रयास किया जा रहा है। शिक्षक दंपत्ति ने स्कूलों में पौधरोपण अभियान भी शुरू किया है। लगभग 1100 पौधे और तीन हजार से अधिक हर्बल पौधे लगाए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने स्मार्ट गणित, इंग्लिश और हिंदी वर्णमाला पर आधारित प्रेजेंटेशन भी स्कूलों को उपलब्ध कराए हैं। धमतरी जिले में इस नवाचार ने शिक्षा व्यवस्था में एक नई ऊर्जा भर दी है और यह पहल अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है।

सुशासन तिहार के तहत प्राप्त आवेदनों का शत प्रतिशत करें निराकरण: कलेक्टर

कोरबा। कलेक्टर अजीत वसंत ने समय सीमा की बैठक लेकर विभागीय कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि सुशासन तिहार 2025 के तहत आयोजित समाधान शिविरों में प्राप्त आवेदनों का गुणवत्ता पूर्ण शतप्रतिशत निराकरण किया जाए। उन्होंने सुशासन तिहार अंतर्गत आयोजित समाधान शिविर में प्राप्त पेंशन,वन अधिकार और राशनकार्ड के आवेदन पत्रों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जनपद पंचायत सीईओ को निर्देश दिए कि प्रकरणों का निराकरण निश्चित समय अवधि में किया जाए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर अजीत वसंत ने एसडीएम ,तहसीलदारों को निर्देशित किया कि स्कूली विद्यार्थियों सहित आंगनबाड़ी केंद्र से इस सत्र में विद्यालय जाने वाले आरक्षित वर्ग के बच्चों का जाति प्रमाणपत्र 15 जून के पूर्व बना लिए जाएं।कलेक्टर ने विभागीय जाँच के प्रकरणों में हुई कार्यवाही की जानकारी ली। बैठक में कलेक्टर ने स्कूलों और शिक्षकों के युक्ति युक्तकरण की कार्यवाही को पारदर्शिता के साथ शासन के निर्देशानुसार समय सीमा में करने के निर्देश डीईओ को दिए।उन्होंने स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत आयुष्मान कार्ड, वयवन्दन कार्ड की समीक्षा करते हुए वयवन्दन कार्ड में आधार अपडेटेशन के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में जन कल्याणकारी योजनाओं का हो रहा धरातल पर क्रियान्वयन

मोबाइल वेटरिनरी यूनिट कोण्डागांव के सुदूर वनांचलों में बन चुकी आशा की किरण, एम व्ही यू बना पशुपालकों के लिए वरदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोण्डागांव एक आदिवासी बाहुल्य जिला है, जहाँ आजीविका के लिए लोग कृषि के साथ छोटे स्तर पर पशुपालन भी करते हैं, जो परिवार की आय का जरिया भी है। अधिकतर पशुपालक सीमित संसाधनों के साथ पारम्परिक पशुपालन करते हैं, ऐसे में जब पशुओं में कोई गंभीर बीमारी आती है, तो जानकारी के अभाव और समय पर उचित इलाज नहीं करा पाते। नतीजतन पशुओं की मृत्यु के साथ पशु पालकों को आर्थिक नुकसान भी होता है। लेकिन अब यह तस्वीर बदल रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का धरातल पर सफल क्रियान्वयन हो रहा है।

राज्य सरकार द्वारा सभी वर्गो के विकास के लिए योजनाएं बनाकर उन्हें लाभान्वित किया जया रहा है। शासन द्वारा विशेषकर कृषकों और पशुपालकों को भी विशेष प्राथमिकता दी गई है। इसी सोच का परिणाम है मोबाइल वेटरिनरी यूनिट, जो अब कोण्डागांव के सुदूर वनांचल में भी आशा की एक नई किरण बन चुकी है। जहाँ पहले बीमार पशु का समय पर इलाज संभव नहीं हो पाता था, अब वही इलाज पशुपालकों के चौखट तक आ रहा है। एम.वी.यू. सेवा, एलएचडीसीपी योजना के अंतर्गत संचालित है और जिले के सभी विकासखंडों में नियमित रूप से कार्यरत है। 14 सितंबर 2023 से शुरू हुई यह सेवा सिर्फ आँकड़ों में नहीं, बल्कि लोगों की मुस्कान और भरोसे में दिखाई देती है।

वर्ष 2024-25 में अब तक यह सेवा जिले के 4643 गांवों तक पहुँची है और एम.वी.यू द्वारा 56210 पशु-पक्षियों का इलाज किया गया है, साथ ही 56410 पशुपालकों को नि:शुल्क दवाई वितरित किया गया है। 578 गायों में कृत्रिम, 3150 निकृष्ट बैलों का बधियाकरण, 23002 पशुओं की जांच की गई है और 135586 पशु-पक्षियों का टीकाकरण कर उन्हें बीमारियों से सुरक्षित किया गया है।

पशु चिकित्सा विभाग के निर्देशन में एम.वी.यू. प्रतिदिन तीन गांवों में पहुँचती है और न केवल इलाज करती है, बल्कि पशुपालकों को जरूरी जानकारी और परामर्श भी देती है। मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई सिर्फ इलाज नहीं, भरोसा और आत्मनिर्भरता लेकर आती है। अब जिले के जंगलों के बीच न इलाज की देरी है, न दवाई की कमी। यह गाड़ी न केवल पशुओं को स्वस्थ किया है, बल्कि पालकों के जीवन को भी नई दिशा दी है।

ग्राम पदनार के पशुपालक श्री पोहड़ो की भैंस के गर्भाशय में ही बछड़े की मृत्यु हो जाने के कारण वह प्रसव नहीं कर पा रही थी। स्थिति गंभीर होती जा रही थी, तब श्री पोहड़ो ने तुरंत मोबाइल वेटरनरी यूनिट को सूचना दी। एमवीयू की टीम, जो कि पशुओं को घर पहुँच सेवाएं प्रदान करने के लिए कार्यरत है, सूचना मिलते ही त्वरित रूप से मौके पर पहुँची। डॉक्टरों और स्टाफ की सतर्कता व अनुभव के चलते मृत बछड़े को सुरक्षित रूप से निकाल लिया गया और भैंस का जीवन बचाया जा सका।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण का आधार

शिक्षा विभाग ने शिक्षकों की गुणवत्ता और उपस्थिति की भ्रांतियों को किया दूर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी और समावेशी बनाने के लिए किए जा रहे युक्तियुक्तकरण को लेकर विभिन्न शैक्षिक संगठनों द्वारा उठाए गए सवालों के संबंध में शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह प्रक्रिया बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने, शिक्षकों के संतुलित वितरण और शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 के अनुपालन के उद्देश्य से की जा रही है।

शिक्षा विभाग का मानना है कि 2008 के सेटअप की प्रासंगिकता नहीं रही, अब शिक्षा का अधिकार अधिनियम ही युक्तियुक्तकरण का आधार है। 2008 के स्कूल सेटअप में प्रधान पाठक और दो सहायक शिक्षकों की व्यवस्था थी, जो उस समय की आवश्यकताओं के अनुरूप थी, लेकिन 01 अप्रैल 2010 से पूरे देश में लागू हुए शिक्षा का अधिकार अधिनियम के बाद नए मानक लागू हुए। अधिनियम के तहत 60 छात्रों तक के लिए 2 शिक्षकों का प्रावधान है और 150 से अधिक छात्रों पर ही प्रधान पाठक की नियुक्ति की जाती है। चूंकि छत्तीसगढ़ में पहले से ही कई स्कूलों में प्रधान पाठक का पद स्वीकृत था, इसलिए उन्हें सहायक शिक्षक की गिनती में जोड़ा गया है। शिक्षा विभाग के अनुसार दो शिक्षकों से पांच कक्षाओं को पढ़ाने के सवाल के जवाब में कहा गया है कि बहुकक्षा शिक्षण ही इसका बेहतर समाधान है। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि औसतन प्राथमिक स्कूलों में दो ही कक्ष निर्मित होते हैं और शिक्षा का अधिकार अधिनियम में भी 60 छात्रों तक के लिए दो शिक्षकों की व्यवस्था का प्रावधान है। ऐसे में शिक्षकों को बहुकक्षा शिक्षण का प्रशिक्षण दिया गया है ताकि वे विभिन्न कक्षाओं को एक साथ गुणवत्तापूर्वक पढ़ा सकें। आंकड़ों के अनुसार राज्य के 30,700 प्राथमिक विद्यालयों में से लगभग 17,000 में छात्र-शिक्षक अनुपात 20 से भी कम है, जिससे यह स्पष्ट है कि छात्रों के अनुपात में शिक्षक पर्याप्त संख्या में हैं।

शिक्षा विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि 60 से कम दर्ज संख्या वाली शालाओं को लेकर फैलाई जा रही भ्रांति निराधार हैं। कुछ संगठनों ने यह आशंका व्यक्त की थी कि 60 से कम दर्ज संख्या वाली 20,000 से अधिक शालाएं व्यवहारिक रूप से एकल-शिक्षकीय हो जाएंगी। इस पर विभाग ने स्पष्ट किया कि इन स्कूलों में दो शिक्षकों की व्यवस्था की गई है, जिसमें प्रधान पाठक भी एक शिक्षकीय पद है। अत: यह कहना गलत है कि ये शालाएं एक शिक्षक के भरोसे चलेंगी। शिक्षा विभाग ने यह दोहराया है कि युक्तियुक्तकरण का उद्देश्य शिक्षकों की संख्या को कम करना नहीं, बल्कि उनकी तैनाती को तर्कसंगत बनाकर सभी विद्यार्थियों को समान अवसर और संसाधन उपलब्ध कराना है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि कहीं भी छात्र-शिक्षक अनुपात अधिनियम से नीचे न जाए।

सुशासन तिहार में हुआ राशन कार्ड सुधार

सुनीता यादव को अब मिलेगा हर महीने 35 किलो राशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर आयोजित सुशासन तिहार आम नागरिकों के लिए उम्मीद और राहत लेकर आ रहा है। सरगुजा जिले के ग्रामीण निवासी श्रीमती सुनीता यादव को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिला है। सुनीता दास का राशनकार्ड नहीं बना था।

जिसकी वज़ह से उनके परिवार का भरण-पोषण करना थोड़ा मुश्किल हो रहा था। उन्होंने अपनी इस समस्या को लेकर सुशासन तिहार में आवेदन दिया।

जिला प्रशासन ने उनकी शिकायत को प्राथमिकता देते हुए त्वरित कार्रवाई की और उनका नया राशन कार्ड बनाया। अब उन्हें राशनकार्ड हर महीने 35 किलो राशन मिलेगा है।

सुनीता यादव ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा, शासन ने बहुत ही अच्छी पहल की है, सुशासन तिहार के माध्यम से हमारे समस्याओं का निराकरण हो रहा है। नया राशनकार्ड बनने से अब हमारे परिवार को नि:शुल्क राशन मिलेगा

शासन की पहल पर सुशासन तिहार आमजन की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहा है और सरकारी योजनाओं का लाभ अब सीधे जरूरतमंदों तक पहुंच रहा है।

सुशासन तिहार-2025: बालसमुंद समाधान शिविर में शामिल हुए खाद्य मंत्री बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल आज बेमेतरा जिले के नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बालसमुंद में सुशासन तिहार-2025 अंतर्गत 22वां समाधान शिविर में शामिल हुए। हायर सेकेण्डरी स्कूल में आयोजित बालसमुंद क्लस्टर सहित 11 बगौद, बाबाघठोली, पौंसरी, मोहरेंगा, राउरपुर, मुनरबोड़, बालसमुंद, आंदू, उसलापुर, भोथीडीह, खैरझिटि ग्राम के लोग शामिल हुए। समाधान शिविर में मुख्य अतिथि खाद्य मंत्री दयालदास बघेल का स्वागत एसडीएम प्रकाश भारद्वाज ने किया। उन्होंने शिविर में प्राप्त आवेदन और निराकरण की जानकारी दी कि 11 ग्राम पंचायतों से समस्या, मांग और शिकायत संबंधी 3403 आवेदन प्राप्त हुए जिनका गुणवत्ता पूर्ण निराकरण संबंधित विभाग के अधिकारियों ने किया जिनकी जानकारी आज इस शिविर में दी जा रही है।

बालसमुंद शिविर में विभागीय अधिकारियों द्वारा मंत्री के समक्ष समाधान पेटी में प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण की जानकारी प्रस्तुत की गई। साथ ही विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई।

मंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम में कहा कि सुशासन तिहार अंतर्गत लगाये गए तीसरे चरण के समाधान शिविर में आवेदनों का निराकरण किया गया है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय भी राज्य के किसी भी गांव में औचक निरीक्षण कर आम जनता से राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी ले रहे है। मुख्यमंत्री श्री साय कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक सीईओ पंचायत सहित अधिकारियों की बैठक ले कर प्राप्त आवेदनों और गांव शहर के विकास कार्यों के प्रगति की अद्यतन जानकारी ले रहे हैं।

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मंत्री बघेल ने कहा, छत्तीसगढ़ सरकार ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। कोई भी नागरिक बेझिझक अपनी समस्या या मांग आवेदन के माध्यम से दर्ज करा सकते हैं। हमारी सरकार अंतिम छोर तक अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। समाधान शिविर में ग्रामीणों ने मंत्री श्री बघेल को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

इस अवसर पर शिविर में हितग्राहियों को सामग्री, राशन कार्ड, महिला एवं बाल विकास विभाग की नोनी सुरक्षा योजना और प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत लाभार्थी बालिकाओं को बैंक पासबुक का वितरण किया गया।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

जशपुर पुलिस ने पशु तस्करी के खिलाफ की कड़ी कार्रवाई

जशपुर। जिले में चलाए जा रहे ऑपरेशन शंखनाद के तहत जशपुर पुलिस ने पशु तस्करी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी है। एसएसपी शशि मोहन सिंह के दिशा-निर्देशों और नेतृत्व में अब तक 875 से अधिक गौ वंशों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराकर 120 से ज्यादा पशु तस्करों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। हाल ही में थाना फरसाबहार क्षेत्र में पुलिस को एक मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ तस्कर ग्राम डांगी मुंडा से जंगल के रास्ते 35 गौ वंशों को बेरहमी से मारते-पीटते हुए अम्बकछार मरघटी चौक होते हुए उड़ीसा की ओर ले जा रहे हैं। जिसकी सूचना मिलने पर तत्काल वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को अवगत कराया गया और त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस की टीम ने घेराबंदी की।

अम्बाकछार मरघटी चौक पर पुलिस ने तस्करों को पकड़कर 35 गौ वंशों को सकुशल मुक्त कर लिया। जिसके बाद सभी गौ वंशों का पशु चिकित्सक से स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया जिसमें सभी गौ वंश स्वस्थ पाए गए। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपी जिसका नाम लम्बोदर यादव, पीताम्बर चौहान, और लडढू राऊत को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम, 2004 की धारा 4, 6, 10 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया।

भारी मुनाफा का लालच देकर 22 लोगों से 9 लाख की ठगी

बिलासपुर। 'मान्या सेल्स' नाम से हेमूनगर स्थित बालाजी कॉम्प्लेक्स की प्रथम मंजिल पर ऑफिस नंबर 221 में फाइनेंस कंपनी खोलकर हर महीने भारी मुनाफा देने का लालच देकर एक युवक ने 22 लोगों से करीब 9 लाख रुपये ठग लिए और कुछ ही दिनों बाद ऑफिस बंद कर फरार हो गया। पीड़ितों की शिकायत पर तोरवा पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी खोजबीन में जुट गई है।

जांजगीर-चांपा जिले के बलौदा थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 15, सारथी मोहल्ला निवासी सत्यनारायण सांडे की लगभग पांच महीने पहले कामता मेहता नामक युवक से मुलाकात हुई थी। बातचीत के दौरान कामता ने 'मान्या सेल्स' नाम की एक फाइनेंस कंपनी शुरू करने की योजना बताई, जिसमें लोगों को लोन दिलाने का कार्य किया जाना था। उसने सत्यनारायण से कंपनी में पार्टनरशिप के नाम पर दो लाख रुपये की मांग की। कामता ने न केवल सत्यनारायण, बल्कि चांदनी पाटले, आकाश कुमार बंजारे सहित कुल 22 लोगों से अलग-अलग रकम लेकर कुल 9 लाख रुपये अपने बैंक खाते में ट्रांसफर करवा लिए। बदले में हर माह 20 हजार रुपये मुनाफा और नौकरी देने का वादा किया गया। कामता मेहता ने कुछ समय के लिए 'मान्या सेल्स' नाम से हेमूनगर स्थित बालाजी कॉम्प्लेक्स की प्रथम मंजिल पर ऑफिस नंबर 221 में कंपनी का संचालन भी किया, जिससे लोगों का भरोसा और बढ़ गया।

बिलासपुर में लव जिहाद का आरोप: लड़की के भागने पर किया एसपी और विधायक बंगले के बाहर जोरदार हंगामा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। एक युवती लड़के के साथ भाग गई। इससे परेशान परिजन ने पहले पुलिस से अपहरण का आरोप लगाकर शिकायत की। लेकिन, पुलिस की जांच में पता चला कि लड़की बालिग है। तब गुमशुदगी की शिकायत हुई। 3 दिन बाद भी युवती का कुछ पता नहीं चला है। इससे नाराज परिजन और समाज के लोगों ने पहले सिविल लाइन थाना और फिर देर रात SSP बंगले का घेराव कर दिया। आरोप लगाया कि मामला लव जिहाद का है। लड़की का ब्रेन वॉश कर उसे बहलाकर भगाया गया है। देर रात तक लोगों की भीड़ SSP बंगले में जुटी रही। अपहरण का आरोप लगाकर परिजन और समाज के लोगों ने मचाया हंगामा।

दरअसल, बीते रविवार को समुदाय विशेष की 26 वर्षीय युवती अपने घर से गायब हो गई। बताया जा रहा है कि जाने से पहले युवती ने परिजनों के नाम एक लेटर भी लिखा है, जिसमें वो खुद से घर छोड़कर जाने की बात लिखी है। इससे परेशान परिजन ने पतासाजी की, तब उन्हें मालूम हुआ कि युवती को चुचुहियापारा निवासी युवक अपने साथ लेकर गया है। जिसके बाद परिजन सोमवार को सिविल लाइन थाना पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि मुस्लिम युवक उनकी बेटी का अपहरण कर ले गया है। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि लड़की बालिग है। तब पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस युवक और युवती की तलाश करने का दावा कर रही है।

मैं सुरक्षित हूं, बिलासपुर पुलिस हमें सुरक्षा प्रदान करें

मिली जानकारी के अनुसार, सिंधी समाज की एक 25 वर्षीय युवती ने मुस्लिम समाज के युवक से भागकर शादी की है। युवती ने एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में युवती ने अपनी मर्जी से अजहर के साथ जानें और कोर्ट मैरिज करने की बात कही है। युवती ने वीडियो में बताया कि, वो पिछले सात सालों से अजहर के साथ रिलेशनशिप में थी और काफी सोच-समझकर उसने शादी करने का फैसला किया। इसके बाद दोनों ने 9 फरवरी 2025 को कोर्ट मैरिज कर ली थी। वहीं युवती ने अपने परिजनों से खुद को न ढूंढने की बात कही है और कहा कि, मैं यहां बहुत ही सुरक्षित जगह में हूं। युवती ने वीडियो के जरिए अपने परिवार से उसे, उसके पति और उसके दोस्तों को परेशान करने की बात कही है। साथ ही युवती ने बिलासपुर पुलिस से मांग की है कि, जैसे कोर्ट मैरिज के दौरान उन्होंने हमारा समर्थन किया था, ठीक वैसे ही अभी हमें सुरक्षा देने और साथ ही दोस्तों और करीबियों को सुरक्षा दें।

मंगलवार की रात युवती के परिजन को खबर मिली कि युवती को पुलिस ने बरामद कर लिया है, जिसे थाने में बैठा कर रखा गया है। हालांकि, यह खबर अफवाह थी। इसकी जानकारी मिलते ही परिजन और समाज के लोगों की भीड़ रात में थाने पहुंच गई। यहां उन्होंने जमकर हंगामा मचाया और युवती की तलाश करने का दबाव बनाया। थाने से सही आश्वासन नहीं मिलने से परेशान परिजन और समाज के लोग देर रात SSP रजनेश सिंह से मिलने उनके निवास पहुंच गए। यहां पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोका तो जमकर हंगामा मचाया और नारेबाजी करने लगे।

आखिरकार, देर रात SSP रजनेश सिंह ने समाज के प्रतिनिधियों और परिजन से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भरोसा दिलाया कि युवक और युवती की तलाश की जा रही है। उन्होंने जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने का भी भरोसा दिलाया। देर रात बड़ी संख्या में समाज के लोग विधायक अमर अग्रवाल के घर भी पहुंचे। विधायक के शहर से बाहर होने के कारण मुलाकात नहीं हो सकी। हालांकि, समाज के लोगों ने फोन पर उनसे बात की। जिसके बाद समाज के लोगों की भीड़ SSP बंगला पहुंच गई।

खरोरा में 4 लाख का गांजा पकड़ाया, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। खरोरा में 4 लाख का गांजा जब्त किया गया है, एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना खरोरा क्षेत्रांतर्गत ग्राम छड़िया में एक व्यक्ति अपने पास गांजा रखा है तथा बिक्री करने की फिराक में ग्राहक की तलाश कर रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना खरोरा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के व्यक्ति की पतासाजी करते हुये व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम मोहन सिंग कोशले उर्फ राकेश निवासी ग्राम छडिया खरोरा का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसके पास रखें बोरी की तलाशी लेने पर बोरी में गांजा रखा होना पाया गया। जिस पर आरोपी मोहन सिंग कोशले उर्फ राकेश को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 27.894 किलोग्राम गांजा कीमती लगभग 4,18,410 रूपये जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना खरोरा में अपराध क्रमांक 308/25 धारा 20बी नारकोटिक एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया।

कोरबा रेलवे स्टेशन में सुरक्षा बढ़ाई गई, चेकिंग तगड़ी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। RPF रेलवे पुलिस के द्वारा कोरबा स्टेशन पर एक बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इस दौरान स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, वेटिंग एरिया, टिकट काउंटर और अन्य संवेदनशील स्थानों की गहनता से जांच की जा रही। यात्रियों के सामान की विशेष रूप से स्कैनिंग और संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान के लिए पूछताछ भी की जा रही है।

सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए स्टेशन पर स्थानीय पुलिस बल को भी तैनात किया गया है। इस मामले में अधिकारियों का कहना है कि, किसी भी प्रकार की लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी जाएगी। विशेष रूप से चलती यात्री ट्रेनों में सुरक्षा बलों द्वारा निरंतर जांच अभियान चलाया जा रहा है, ताकि किसी भी प्रकार की संभावित आतंकी या आपराधिक गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। इस दौरान पुलिस द्वारा मादक, मनोत्तेजक, विस्फोटक, ज्वलनशील गैस या द्रव्य, अवैध परिवहन किये जाने वाले समान, जंगली या समुद्री जीव जंतु की जांच की गई।

इस अभियान के तहत यात्रियों से भी सहयोग की अपील की जा रही है कि वे सतर्क रहें और स्टेशन या ट्रेन में कोई भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि दिखाई देने पर तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित करें। प्रतिदिन सभी यात्री ट्रेनों में रेलवे पुलिस की टीम सभी बोगी डिब्बा के अलावा स्टेशन परिसर के आसपास भी लोगों से पूछताछ और जांच करती है। विशेष रूप से ट्रेन में जो पार्सल यह है और मालगाड़ी जो बाहर से आते हैं उनकी भी विशेष रूप से जांच की जाती है। समय-समय पर कोरबा पुलिस के द्वारा डॉग एस्कॉर्ट के माध्यम से भी स्टेशन में पार्सल यह और अन्य जगहों पर भी जांच की जाती है।

कालाबाजारी कर बीज-खाद बेचने वाले पर होगी सख्त कार्रवाई, दुकानें भी होंगी सील

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिले में अमानक खाद-बीज बेचने वाले दुकानदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने आज इसके लिए कृषि विभाग के अधिकारियों के अलावा सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को भी अपने-अपने क्षेत्र की खाद-बीज की दुकानों-कृषि केन्द्रों का औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं कलेक्टर न अमानक खाद-बीज पाए जाने पर ऐसी दुकानों को सील तक करने को कहा है। कलेक्टर ने आज समय सीमा की साप्ताहिक बैठक में यह निर्देश दिए। उन्होंने बदलते मौसम और बढ़ती गर्मी को ध्यान में रखते हुए मौसमी बीमारियों की जानकारी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से ली।

कलेक्टर ने सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में पर्याप्त मात्रा में दवाईयां रखने के निर्देश दिए। साथ ही स्वास्थ्य केन्द्रों में कंट्रोल रूम बनाने और उसका दूरभाष नंबर जारी करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने सिकसेल जांच के लिए प्रत्येक विकासखण्ड में जांच केन्द्र बनाने के लिए भी निर्देशित किया। इसके साथ ही आयुष्मान कार्ड, आयुष्मान वाय वंदन, जेनेरिक मेडिकल दुकानों की अद्यतन स्थित आदि की भी जानकारी ली। बैठक में कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि जिले में सुशासन तिहार के तहत समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। सभी जिला स्तरीय अधिकारी समाधान शिविरों का निरीक्षण करें और जहां शिकायतें आ रहीं हैं, उनका निराकरण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार में सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य सहित मूलभूत सुविधाओं से संबंधित मिले आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए कामों को जल्द से जल्द शुरू करें। कलेक्टर ने कहा कि महतारी वंदन योजना शासन की महत्वपूर्ण योजना है। इसके तहत महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रूपये मिलते हैं। उन्होंने जिन महिलाओं के खाते में राशि प्राप्त नहीं हो रही है, उसके कारणों की जांच करने के निर्देश जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग को दिए और प्राथमिकता से राशि अंतरित कराने की कार्रवाई करने कहा।

बैठक में कलेक्टर मिश्रा ने जिले की खराब और जर्जर सड़कों की जानकारी ली। उन्होंने लोक निर्माण विभाग और पीएमजीएसवाय के अधिकारियों को खराब सड़कों की मरम्मत कराने के निर्देश दिए। साथ ही ऐसी सड़कें जो संबंधित ठेकेदार की समय सीमा में मरम्मत की जानी है, उनसे ही सड़कों की मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में खाद-बीज भण्डारण और वितरण की जानकारी ली तथा अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को किसी तरह की परेशानी न हो, इस बात का ध्यान रखा जाए। कलेक्टर ने जिले में चना खरीदी और उसके भुगतान की भी जानकारी अधिकारियों से ली। श्री मिश्रा ने प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, श्रम विभाग की योजनाओं सहित अन्य विभागीय योजनाओं की बारी-बारी से समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए।

पति ने चलती बाइक से पत्नी और बच्चे को गिराया, जान से मारने की कोशिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। पति ने पत्नी और मासूम बच्चे को चलती गाड़ी से जानबूझकर गिरा दिया जिसमें दोनों घायल हो गए। यह घटना रामनगर मुख्य मार्ग पर हुई। पीड़िता अनुराधा बघेल ने आरोप लगाया है कि उसके पति कुलदीप बघेल का दूसरी युवती के साथ अवैध संबंध है।

बताया जा रहा है कि अनुराधा और कुलदीप दोनों बिलासपुर के रहने वाले है पढ़ाई के दौरान दोनों की दोस्ती हुई फिर दोस्ती प्यार में बदली और बाद शादी तक जा पहुंची। पांच साल पहले लव मैरिज किया। कुलदीप शादी के बाद अपनी पत्नी को बिलासपुर में ही छोड़ दिया और कोरबा में एक निजी बैंक में लोन देने का काम करता है। जहां गांव बीच-बीच में आना जाना करता है रामनगर में किराए के मकान पर कुलदीप रहता है। दोनों की शादी के बाद दो लड़की है। अनुराधा का आरोप है कि कुलदीप, सास और ससुर उसे दो बेटियों के जन्म के बाद से प्रताड़ित करते हैं। सास और ससुर ने उसे घर से निकाल दिया था, जिसके बाद कुलदीप उसे कोरबा ले आया था। शादी के बाद वह पहली बार कोरबा आई थी जहां मानिकपुर चौकी क्षेत्र अंतर्गत रामनगर मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार बाइक चलाते हुए उससे लड़ने लगा कि अब तुझे मैं नहीं रखूंगा तू जान और तेरा काम जान यह कहते हुए गाड़ी को ब्रेक मारा जहां पत्नी और मासूम बच्ची नीचे गिर गई। दोनों को चोंटे आई हैं मासूम के चेहरे और हाथ पर चोट लगे हैं वही अनुराधा के हाथ और सर पर चोंटे आई हैं।

इस घटना के बाद कुलदीप दोनों को घर ले गया और शराब पीकर सो गया जहां पीड़िता किसी तरह मासूम बच्चे को लेकर मानिकपुर चौकी पहुंची और पुलिस को अपनी आप बीती बताई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बंदूकों के साथ तीन महिला नक्सली गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। मोहला-मानपुर-अं. चौकी जिले से सटे महाराष्ट्र के गढ़चिरौली पुलिस और सीआरपीएफ ने 5 नक्सलियों को पकड़कर हथियार और नक्सल सामान जब्त किया है। पकड़े गए नक्सलियों में एक डीवीसीएम और एक एसीएम रैंक तथा तीन प्लाटून सदस्य शामिल है। पुलिस ने 3 नक्सलियों को गिरफ्तार और 2 अन्य को हिरासत में लिया है। पुलिस ने नक्सलियों से एक स्वचालित एसएलआर रायफल, एक 303 रायफल, तीन एसएसआर रायफल और दो गोला-बारूद सहित कुल 7 आग्नेयास्त्र जब्त किया। उक्त पांच नक्सलियों पर महाराष्ट्र सरकार ने 36 लाख रुपए का ईनाम घोषित किया था।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सुरक्षा बलों के खिलाफकई हिंसक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल 5 नक्सलियों को गढ़चिरौली पुलिस टीम और सीआरपीएफ ने मंगलवार को गिरफ्तार किया। उन्हें कार्रवाई के लिए हिरासत में लिया गया है। गढ़चिरौली पुलिस स्टेशन ने अपने प्रभावी अभियानों के कारण जनवरी 2022 से अब तक कुल 103 माओवादियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। सूत्रों का कहना है कि पुलिस को सूचना मिली कि भामरागढ़ उप विभाग के अंतर्गत लाहेरी उप पोस्ट के अंतर्गत मौजा के बिनगुंडा में 50 से 60 माओवादी एकत्र हुए हैं। गढ़चिरौली एसपी नीलोत्पल समेत अन्य आला अफसरों ने सी-60 (स्पेशल एक्शन टीम) की 8वीं बटालियनों और ए कंपनी 37 बटालियन का नेतृत्व किया।

18 मई को सीआरपीएफ की टीमें सदर जंगल क्षेत्र में भेजी गई। 19 मई को जब सी-60 दस्ता माओवादी विरोधी अभियान चला रहा था, शिफाफी ने बिनागुंडा के गांव को घेर लिया और गांव में तलाशी शुरू कर दी। वे घात लगाने की योजना बनाते दिखाई दिए। पुलिस बल ने बिना गोली चलाए 5 नक्सलियों को उनके हथियार के साथ हिरासत में लिया। इस बार अन्य माओवादी गांव और जंगल का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। सूत्रों का कहना है कि पांचो माओवादियों की पहचान उंगी मंगरू होयम उर्फ सुमली (डीवीसीएम, प्लाटून नंबर 32) बीजापुर, पल्लवी केसा मीडियम उर्फ बंडी (पीपीसीएम, प्लाटून नं. 32) बीजापुर, देवे कोसा पोडियाम उर्फ सबिता (सदस्य, प्लाटून नंबर 32) बीजापुर को 20 मई को गिरफ्तार किया गया तथा अन्य दो माओवादियों की उम्र के संबंध में कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिलने के कारण उन्हें आगे की कार्रवाई के लिए बाल न्यायालय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया है। पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज अपराधों में उसकी संलिप्तता की जांच चल रही है।

न्यायालय तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग छ.ग.

रा0प्र0 क्रमांक 202505100900073 अ-6-अ वर्ष 2024-25

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम खुड़मुड़ा प.ह.नं. 03 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाषित किया जाता है कि आवेदिका सरोजनी बाई पति स्व. अर्जुन सिंह निवासी ग्राम खुड़मुड़ा तहसील पाटन द्वारा अपने पति स्व. अर्जुन सिंह आ0 हीरू के नाम पर दर्ज भूमि खसरा नंबर 417 रकबा 0.04 हे0 के राजस्व अभिलेख में त्रुटिवश धारणाधिकार में कृषि भूमि के स्थान पर शासकीय भूमि के रूप में दर्ज हो गया है जिसे पूर्ववत कृषि भूमि दर्ज किये जाने आवेदन पेश किया गया है।

अतः आवेदिका सरोजनी बाई पति स्व. अर्जुन सिंह निवासी ग्राम खुडमुड़ा तहसील पाटन जिला दुर्ग के द्वारा प्रस्तुत उपरोक्तानुसार राजस्व अभिलेख दुरूस्त किये जाने की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 23.05.2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 09.05.2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 14.05.2025

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 03.06.2025 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
49/दुर्ग(दुर्ग.)/2025	जिला दुर्ग (वि.ख. धमधा) के अंतर्गत ग्राम मलपुरीकला में शास. हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य	67.00
50/दुर्ग(बालोद)/2025	लोक निर्माण विभाग, गुण्डरदेही के अंतर्गत ओड़ारसकरी में शास. हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य	67.91
51/दुर्ग(बालोद)/2025	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग क्रं. 01 बालोद के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में बी.टी. पेच रिपेयर कार्य	50.00
52/दुर्ग(राज.)/2025	आई.टी.आई. भवन डोंगरगांव में निर्माण/रिनोवेशन कार्य	16.21
53/दुर्ग(राज.)/2025	लोक निर्माण विभाग, संभाग राजनांदगांव के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी. पेच रिपेयर कार्य	99.93
54/दुर्ग(राज.)/2025	न्यू सिविल लाईन, राजनांदगांव स्थित आवासगृह एफ जे 1 में बाऊण्ड्रीवॉल का निर्माण कार्य	11.73
55/दुर्ग(राज.)/2025	आई.टी.आई. भवन राजनांदगांव में रिनोवेशन कार्य	49.33
56/दुर्ग(खैरागढ़)/2025	उपसंभाग खैरागढ़ के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का रंगाई-पोताई का कार्य	25.00
57/दुर्ग(खैरागढ)/2025	उपसंभाग छुईखदान के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का विशेष मरम्मत एवं एम.ओ.डब्ल्यू का कार्य	40.00
58/दुर्ग(मो.-मान.-अं. चौकी)/2025	उपसंभाग अं.चौकी के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में बी.टी. पेच रिपेयर कार्य	50.00

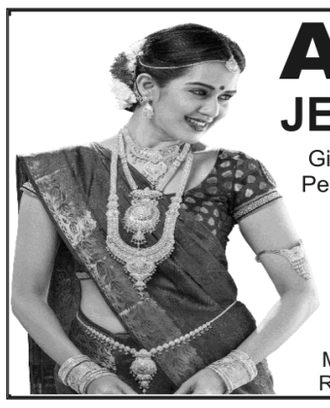

टीप

1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है ।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

जी-252600988/5

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष - 0788-2210876

समाधान शिविर सरकार की जवाबदेही और जनसेवा का प्रतीक-मुख्यमंत्री साय

मुरमुंदा के हाईस्कूल को हायर सेकण्डरी स्कूल में उन्नयन की घोषणा, हितग्राहियों को सामग्री, चेक, केसीसी और एटीएम कार्ड वितरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरकार का काम केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। जब हम गांव-गांव जाकर समाधान शिविर लगाते हैं, तो यह हमारी जवाबदेही का प्रमाण है। यह कार्य वही सरकार कर सकती है, जो ईमानदारी से जनता के लिए काम करती हो। यह बात मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज दुर्ग जिले के धमधा विकासखंड की ग्राम पंचायत मुरमंदा में आयोजित समाधान शिविर को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाधान शिविर केवल एक सरकारी आयोजन नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन की जनसामान्य के प्रति उत्तरदायित्व का जीवंत प्रमाण है। हमारी सरकार ने एक वर्ष पूर्ण होने पर जनता के समक्ष रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया था, और अब डेढ़ साल बाद पुनः जनता के बीच अपने कामकाज का रिपोर्ट दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन तिहार के तहत् दुर्ग 19 वां जिला है जहां वे सुशासन शिविर में शामिल होने के लिए पहुंचे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि औचक निरीक्षण और सुशासन शिविर में लोगों से फीडबैक पाकर इस बात की खुशी होती है कि हमारी सरकार ने डेढ़ सालों में जो काम किया है उसका लाभ जनता को मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि मुरमुंदा शिविर में कुल 2630 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 2539 मामलों का मौके पर समाधान कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों का पूर्ण निराकरण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हमारी सरकार हर घर तक बिजली और नल से जल पहुंचाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना में 18 लाख गरीब परिवारों के हक छीनने का काम किया। गरीबों से उनका घर और छत छीनने का काम करके पूर्ववर्ती सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना का बंटाधार कर दिया था। इसी तरह, नल-जल योजना में भी पिछली सरकार की अनियमितताओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव में टंकियां तो बना दी गईं, लेकिन पानी का कोई प्रबंध नहीं था। हमारी सरकार ने इन योजनाओं को सुधारा और धरातल पर लागू किया।

किसान, मजदूर और बुजुर्ग हर वर्ग के लिए योजनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार अपने वादे के अनुसार किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी 3100 रूपए की दर से कर रही है, पिछले दो वर्षों का बोनस भी किसानों को दिया गया है। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के माध्यम से बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा का अवसर मिला है। श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना के तहत 22000 से अधिक लोग अयोध्या दर्शन कर चुके हैं। भूमिहीन कृषि मजदूरों को 10,000 रूपए की वार्षिक सहायता दी जा रही है। स्वामित्व कार्ड का वितरण तेजी से किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने भूमि रजिस्ट्री प्रणाली में सुधार का भी उल्लेख किया और बताया कि अब रजिस्ट्री के साथ ही नामांतरण स्वतः हो जाएगा, लोगों को कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। यदि कोई व्यक्ति अपने बेटा-बेटी को ज़मीन देना चाहता है, तो 500 रूपए में दानपत्र देकर कार्य पूरा कर सकता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्रों की स्थापना की जा रही है। अब तक 1460 ग्राम पंचायतों में यह केंद्र शुरू हो चुके हैं, जहां प्रतिदिन 1 से 1.5 लाख रुपए तक के बैंकिंग ट्रांजैक्शन हो रहे हैं। अगले एक वर्ष में सभी ग्राम पंचायतों तक यह सुविधा पहुंचाने का लक्ष्य है।

शिविर में किया गया सामग्री वितरण

मुख्यमंत्री श्री साय ने समाधान शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को गृह प्रवेश की चाबियां, मनरेगा श्रमिकों को जॉब कार्ड, पात्र हितग्राहियों को सामाजिक पेंशन, किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड, चेक और एटीएम कार्ड वितरित किए। मुख्यमंत्री श्री साय ने अंत में कहा कि सरकार का कार्य सिर्फ शासन चलाना नहीं, बल्कि जनता की सेवा करना है। जब शासन जनता के द्वार तक आता है, तभी असली सुशासन स्थापित होता है। सुशासन शिविर को उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में विधायक साजा ईश्वर लाल साहू, पूर्व विधायक प्रेमप्रकाश पांडेय, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं मुरमुंदा सहित 15 पंचायतों के ग्रामीण जन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय अचानक पहुंचे अछोटी, निर्माणाधीन महतारी सदन का लिया जायजा, पानी से की तराई

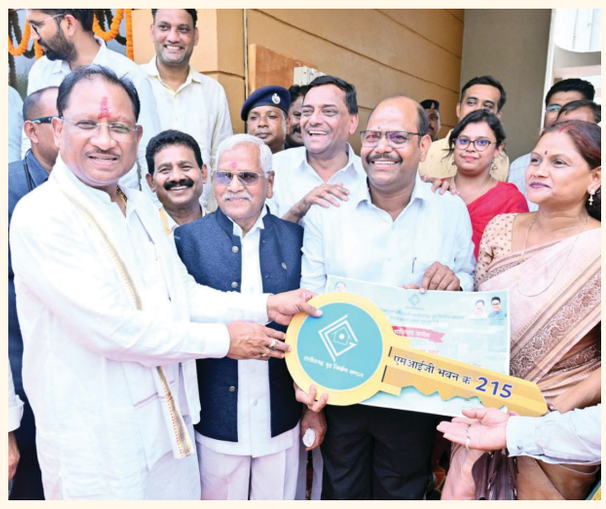

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा सुशासन को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सुशासन तिहार के अंतर्गत आज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दुर्ग जिले के धमधा विकासखंड अंतर्गत ग्राम अछोटी का औचक दौरा किया। ग्राम अछोटी में मुख्यमंत्री श्री साय हेलीकॉप्टर से अचानक पहुंचे और डायट कॉलेज परिसर में 29 लाख 20 हजार रुपये की लागत से निर्माणाधीन महतारी सदन का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता का मुआयना किया और स्वयं अपने हाथों से भवन के कॉलम की तराई कर कार्य की मजबूती और पारदर्शिता का संदेश दिया। महतारी सदन, ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण और सामुदायिक संवाद का केंद्र बनेगा।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री मुरमुंदा पहुंचे, जहां उन्होंने अटल आवास योजना के अंतर्गत निर्मित 226 आवासों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने अटल आवास क्रमांक 226 के हितग्राही श्री तुषार को अपने हाथों से चाबी सौंपी और उन्हें गृह प्रवेश कराया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर अन्य हितग्राहियों को भी उनके मकान की चाबी सौंपते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण भी उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन की योजनाओं और सेवाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाना, जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना तथा प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करना है। इस अभियान के तहत प्रदेशभर में समाधान शिविर, निरीक्षण दौरे, विकास कार्यों की समीक्षा और योजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन जैसे विविध कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय का प्रदेश के गांव-गांव में आकस्मिक दौरा समाधान शिविर में उनकी स्वयं की मौजूदगी और जनसमस्याओं का निदान सुशासन को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण आयाम है, जिससे आमजनता में सरकार के प्रति विश्वास और सहभागिता की भावना और अधिक सुदृढ़ हुई है।

मुख्यमंत्री साय ने किया अटल आवास योजना अंतर्गत 226 आवासों का लोकार्पण, सौंपी सपनों के घर की चाबी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के तहत् ग्राम मुरमुंदा स्थित अटल आवास योजना के अंतर्गत निर्मित 226 नवीन आवासों का विधिवत लोकार्पण कर हितग्राहियों को उनके सपनों का घर सौंपा। इस अवसर पर उन्होंने भवन क्रमांक 226 के स्वामी तुषार साहू को गृह प्रवेश कराते हुए कहा, आज हम आपको सिर्फएक घर नहीं, बल्कि आपके सपनों का आशियाना सौंप रहे हैं। यह क्षण न केवल आपके जीवन का बल्कि शासन के जनकल्याणकारी प्रयासों का भी स्मरणीय पड़ाव है।

मुख्यमंत्री ने सभी हितग्राहियों को बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शासन की प्राथमिकता है कि राज्य के प्रत्येक नागरिक को गरिमामय और सुरक्षित आवास उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि अटल आवास जैसी योजनाएं जनसामान्य को न केवल आवासीय सुविधा देती हैं, बल्कि उनके सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी अहम भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

साकार हुआ वर्षों का सपना

आवास क्रमांक 226 के लाभार्थी तुषार साहू ने मुख्यमंत्री के हाथों गृह प्रवेश प्राप्त कर अभिभूत होते हुए कहा कि हमेशा एक सुंदर, स्वच्छ और शांत वातावरण में रहने का सपना देखा था। वर्षों का यह सपना आज साकार हुआ। मुख्यमंत्री जी द्वारा गृह प्रवेश कराना मेरे लिए गर्व और भावुकता का क्षण है। उन्होंने बताया कि यह 2 बीएचके आवास सभी आवश्यक सुविधाओं से युक्त है और बाज़ार मूल्य की तुलना में किफायती भी है। श्री साहू इस अवसर पर अपने माता-पिता और परिजनों के साथ उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने उनके आवास का अवलोकन भी किया और निर्माण गुणवत्ता की सराहना की।

कई हितग्राहियों को मिली चाबी

इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा रूपनारायण देवांगन, अरुण साहू, तथा चंद्रशेखर राठौर को भी उनके आवास की चाबी सौंपी गई। भवन क्रमांक 215 के स्वामी अरुण साहू, जो भिलाई इस्पात संयंत्र में पदस्थ हैं। उन्होंने कहा कि रिटायरमेंट से पहले अपने स्वप्निल घर में प्रवेश करना मेरे जीवन की सबसे सुखद अनुभूति है। अटल आवासयोजना के माध्यम से राज्य शासन ने हमें वह अवसर दिया है, जिसकी वर्षों से प्रतीक्षा थी।

उज्ज्वल आवासीय भविष्य की सौगात

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा संचालित अटल आवास योजना के तहत ग्राम मुरमुंदा में लगभग 10 एकड़ भूमि पर 24 करोड़ 57 लाख 98 हजार रुपए की लागत से कुल 226 स्वतंत्र आवास और 12 दुकानों का निर्माण किया गया है। इनमें 55 भवन ईडब्ल्यूएस श्रेणी, 69 एलआईजी-ए टाइप, 86 बी टाइप, 16 एमआईजी टाइप के हैं। सभी भवनों का विक्रय पूर्ण हो चुका है तथा 7 भवनों की रजिस्ट्री भी की जा चुकी है।

शिक्षा ही जीवन की असली पूंजीः मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि शिक्षा ही जीवन की असली पूंजी है। इसके बिना जीवन अधूरा है। यह न केवल रोजगार का माध्यम है, बल्कि समग्र विकास का आधार भी है। वे आज सवेरे मुंगेली जिला मुख्यालय में जिला ग्रंथालय में 29.90 लाख रुपये की लागत से निर्मित अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले तथा पूर्व सांसद लखन साहू भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में विद्यार्थियों से संवाद करते हुए आदर्श विद्यार्थी के पाँच गुण काक चेष्टा बको ध्यानं, श्वान निद्रा तथैव च। अल्पाहारी गृहत्यागी, विद्यार्थी पंच लक्षणं का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को अनुशासित, मेहनती और लक्ष्यनिष्ठ बनने की प्रेरणा दी। एक छात्र द्वारा सोशल मीडिया के प्रभाव पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, डिजिटल युग में अच्छाई को अपनाएं और बुराई से दूर रहें। श्री साय ने अपने छात्र जीवन के संघर्ष साझा करते हुए बताया कि अविभाजित रायगढ़ जिले में शिक्षा के अवसर सीमित थे। नटवर स्कूल ही एकमात्र विकल्प था। उन्होंने विद्यार्थियों से समय का सदुपयोग करने, कभी निराश न होने और परिश्रम को अपना मूल मंत्र बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने 'प्रयास' और 'नालंदा परिसर' जैसे शैक्षणिक नवाचारों की सराहना की और कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि हर जिले में आधुनिक ग्रंथालय स्थापित किए जाएं। उन्होंने मुंगेली जिला ग्रंथालय की सराहना करते हुए बताया कि यह ग्रंथालय अब तक सैकड़ों युवाओं की सफलता की नींव बन चुका है। उन्होंने इसे केवल अध्ययन का स्थल न मानकर एक सफलता केंद्र बताया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री को तोप सिंह कुंभकार द्वारा उनके चित्र का हस्तनिर्मित छायाचित्र तथा भगवद् गीता और अन्य स्मृति चिन्ह भी भेंट किए गए।

गौरतलब है कि जिला ग्रंथालय में वर्तमान में यहाँ 4780 से अधिक पुस्तकों का संग्रह, 893 पंजीकृत सदस्य, 32 टेबल, 11 सीसीटीवी कैमरे हैं। राज्य के मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जल संवर्धन की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा भू-जल संवर्धन मिशनः विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री ने भू-जल संवर्धन मिशन का किया शुभारंभ, भू-जल और वर्षा जल संरक्षण पर शहरों में होंगे प्रभावी काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय भू-जल संवर्धन मिशन (शहरी) का शुभारंभ किया। इसके तहत प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में भू-जल और वर्षा जल के संरक्षण-संवर्धन के लिए मिशन मोड पर काम किए जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में मिशन के ब्रोशर का विमोचन और इस पर तैयार वीडियो भी लॉन्च किया। उन्होंने राज्य के नौ नगरीय निकायों में सेवाकाल के दौरान दिवंगत 18 कर्मचारियों के परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति पत्र भी सौंपा।

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव, जल संसाधन तथा रायपुर जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप, विधायकगण सर्वश्री राजेश मूणत, सुनील सोनी, मोती लाल साहू, पुरन्दर मिश्रा, गुरू खुशवंत साहेब, इन्द्र कुमार साहू, रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे और वाटरमैन के नाम से मशहूर राजेन्द्र सिंह भी विशिष्ट अतिथि के रूप में शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए। भू-जल संवर्धन मिशन के शुभारंभ के मौके पर आयोजित कार्यशाला में हाइड्रोलॉजिस्ट्स, कॉलोनाइजर्स, उद्योग समूह, वन विभाग, लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग तथा जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने जल संरक्षण, इसके उपायों और परिणामों पर मंथन किया। उप मुख्यमंत्री अरुण साव और भारत के वाटरमैन के नाम से प्रसिद्ध राजेन्द्र सिंह ने भी कार्यशाला में अपने विचार रखे तथा प्रतिभागियों के सवालों के जवाब भी दिए। गुजरात के सूरत म्युनिसिपल कार्पोरेशन की टीम ने वहां वर्षा जल के संचय और भू-जल रिचार्ज के लिए किए जा रहे कार्यों को साझा किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय भू-जल संवर्धन मिशन (शहरी) के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जल के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। जल की पर्याप्त उपलब्धता की चिंता करते हुए नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा इस महत्वाकांक्षी मिशन की शुरूआत की जा रही है। इसके लिए मैं उप मुख्यमंत्रीअरुण साव और नगरीय प्रशासन विभाग को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने उम्मीद जताई कि वर्षा जल और भू-जल के संरक्षण व संवर्धन में यह मिशन मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में जल संरक्षण के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ग्रामीणों की सहभागिता से 'मोर गांव मोर पानी' अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों अभियानों का मकसद एक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर जल संरक्षण के लिए पूरे देश में अमृत सरोवरों के रूप में नए तालाबों का निर्माण और पुराने तालाबों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। आज मिशन के शुभारंभ के मौके पर चार घंटों तक विशेषज्ञों ने इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर संवाद किया है। श्री साय ने कहा कि जल को लेकर यदि हम अभी सचेत और सावधान नहीं होंगे तो आने वाला समय मुश्किल होगा।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शुभारंभ कार्यक्रम में कहा कि वर्षा जल के संचय, संरक्षण और भू-जल को रिचार्ज करने के उपायों पर विशेषज्ञों ने अभी चार घंटे तक चर्चा की है। वाटरमैन राजेन्द्र सिंह और सूरत नगर निगम के विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि इस संवाद के दौरान जल के संरक्षण और संवर्धन के कार्यों को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने और राज्य में वर्षा के पैटर्न के अनुरूप फसल चक्र अपनाने की बातें प्रमुखता से आई हैं। श्री साव ने कहा कि आने वाले समय में शहरों में पेयजल और अन्य जरूरतों के लिए पानी की व्यवस्था की चुनौतियों को देखते हुए नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा इस मिशन को प्रारंभ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पर्याप्त बारिश होती है। इसके सावधानीपूर्वक संचय और संवर्धन से हम पानी की दिक्कतों को दूर कर सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950